राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 14 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–319 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी तर्कसंगत सीमा को नहीं लांघ सकतीः बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी को तर्कसंगत सीमा लांघने की अनुमति नहीं दी जा सकती अन्यथा इसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने मंगलवार को ऑटोमोबाइल कलपुर्जा निर्माण कंपनी हिताची एस्टेमो फी के एक कर्मचारी की सेवा समाप्ति की व्यवस्था बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की। कंपनी के खिलाफ सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर दो पोस्ट किये जाने के बाद कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया गया था। भड़काऊ पोस्ट डालने वाले कर्मचारी की बर्खास्तगी को रद्द करने के श्रम अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए कंपनी ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति जाधव ने आदेश में कहा कि ये पोस्ट नफरत भड़काने के स्पष्ट इरादे से कंपनी के खिलाफ किए गए थे और ये लोगों को उकसाने वाले थे। अदालत ने कहा, ऐसे कृत्यों के खिलाफ एक कड़ा संदेश दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्यों को शुरुआत में ही रोक दिया जाना चाहिए। पीठ ने अपने आदेश में कहा, बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी को तर्कसंगत सीमा लांघने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यदि इसकी अनुमति दी गई, तो इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। पीठ ने कहा कि किसी भी मामले में, किसी तरह की घटना होने का इंतजार नहीं किया जा सकता और न ही किया जाना चाहिए तथा ऐसे कृत्यों को शुरू में ही रोकने की जरूरत है।

आग से झुलस कर एक व्यक्ति घायल, तीन गाड़ियां जलकर खाक

मुंबई। मुंबई के अंधेरी इलाके में बुधवार को तड़के कुछ गाड़ियों में आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति भी झुलस गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना अंधेरी में महाकाली केव्स रोड पर ट्रांस रेजिडेंसी के सामने देर रात करीब दो बजकर 30 मिनट के आसपास की है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में फारूक सिद्दीकी नाम का एक व्यक्ति झुलस गया और तीन गाड़ियां जलकर खाक हो गईं।

मध्य प्रदेश में मोहन 'राज' का हो गया आगाज

मुख्ममंत्री के साथ राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा की शपथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में मोहन 'राज' का आगाज हो गया है। बुधवार को प्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। लाल परेड ग्राउंड में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मोहन यादव के अलावा डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा को शपथ दिलाई। पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में मोहन, जगदीश और राजेंद्र ने शपथ ली।

कई दिनों से चल रही अटकलों को खत्म करते हुए भाजपा ने सोमवार को मोहन यादव को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में चुना और पार्टी के दिग्गज नेता शिवराज सिंह चौहान पांचवीं बार मुख्यमंत्री पद संभालने का रिकॉर्ड नहीं बना पाए। शिवराज सिंह चौहान सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री रहे 58 साल के मोहन यादव को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। मध्य प्रदेश में राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा उपमुख्यमंत्री का ओहदा संभालेंगे। मोहन यादव को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का करीबी माना जाता है और उन्हें शीर्ष पद के दावेदार के रूप में नहीं देखा जा रहा था। वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से आते हैं, जिनकी संख्या राज्य की जनसंख्या में 48 प्रतिशत से अधिक है। सोमवार को मुख्यमंत्री नामित होने के बाद यादव ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल से मुलाकात की और अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया। मोहन यादव यादव 2013 में पहली बार उज्जैन दक्षिण सीट से विधायक चुने गए थे। उन्होंने 2018 और फिर 2023 में विधानसभा सीट बरकरार रखी। पिछले महीने के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने राज्य की 230 विधानसभा सीटों में से 163 सीटें जीती और कांग्रेस को 66 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर धकेल दिया।

अयोध्या श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट 25 दिसंबर को होगा शुरू

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

अयोध्या। अयोध्या में श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पीएम मोदी 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर उद्घाटन करेंगे। जनवरी 2024 में प्रस्तावित श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले अयोध्या में हवाई यातायात सेवाएं शुरू हो जाएंगी। दरअसल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री वीके सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिन अयोध्या हवाई अड्डे के निर्माण का निरीक्षण किया था। श्रीराम अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा करने को कहा गया था। एयरपोर्ट पर तेज गति से कार्य चल रहा है। पहले चरण के सभी कार्यों को दिसंबर 2023 तक पूरा कर एयरक्राफ्ट का संचालन शुरू करा दिया जाएगा। एयरपोर्ट के सभी कार्यों को तीन चरणों में किया जाना है। इसके लिए परियोजना में शामिल कुल 821 एकड़ भूमि अधिग्रहीत कर एयरपोर्ट अथॉरिटी को सौंप दी गई है। एयरपोर्ट के पहले चरण में 2200 मीटर लंबे व 45 मीटर चौड़े रनवे का कार्य शतङ्कप्रतिशत पूरा हो चुका है। भविष्य में रनवे को 3750 मीटर तक बढ़ाए जाने की योजना है। इसके लिए भी भूमि अधिग्रहण कर लिया गया है। नाइट लैंडिंग तथा कोहरे एवं धुंध में लैंडिंग के लिए कैटङ्कवन एवम् रेसा सुविधाओं का कार्य भी शतङ्कप्रतिशत पूरा हो गया है। एयरक्राफ्टों की लैंडिंग के लिए लगाई गई लाइटिंग का कार्य भी पूरा है। एटीसी टॉवर का भी कार्य हो चुका है। एयरपोर्ट के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी आ गई हैं। संचालन के लिए लाइसेंसिंग की प्रक्रिया प्रगति पर है, जिसके पूरा होते ही इसी कैलेंडर ईयर में एयरपोर्ट का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। एयरपोर्ट का संचालन शुरू होने से एयरबस ए 320 जैसे एयरक्राफ्ट की लैंडिंग की सुविधा अयोध्या धाम के एयरपोर्ट पर उपलब्ध हो जाएगी।

महादेव बेटिंग ऐप का मालिक रवि उप्पल दुबई से गिरफ्तार

जारी किया गया था रेड कॉर्नर नोटिस

रायपुर। ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप महादेव के मामले में भारतीय एजेंसियों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. महादेव बेटिंग ऐप केस में इसके सह संस्थापक रवि उप्पल को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से गिरफ्तार कर लिया गया है. मामले में रवि उप्पल के अलावा दो अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है. इंटरपोल ने रवि उप्पल के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था. इसी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया है. इसके साथ ही भारतीय एजेंसियां दुबई सुरक्षा एजेंसियों के साथ संपर्क बनाए हुए हैं. रवि उप्पल महादेव ऐप मामले के मुख्य आरोपियों में से एक है. उसे जल्द ही डिपोर्ट किया जाएगा. वहीं, महादेव ऐप के दूसरे प्रमोटर और आरोपी सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के प्रयास भी जारी हैं.

ईडी के साथ-साथ इन राज्यों की पुलिस कर रही जांच

रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर ने एक बयान में महादेव ऐप और सट्टेबाजी घोटाले में शामिल होने से इनकार कर दिया था. इन लोगों ने इसके लिए शुभम सोनी नाम के शख्स को जिम्मेवार ठहराया है. इसको लेकर ईडी ने यूएई में भारतीय दूतावास से शुभम सोनी का बयान लिया है. कथित सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के साथ-साथ मुंबई पुलिस और छत्तीसगढ़ पुलिस जांच कर रही है. जांच एजेंसी ने उप्पल और एक अन्य प्रमोटर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल कर दी थी. इसके बाद ईडी ने इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने का अनुरोध किया था.

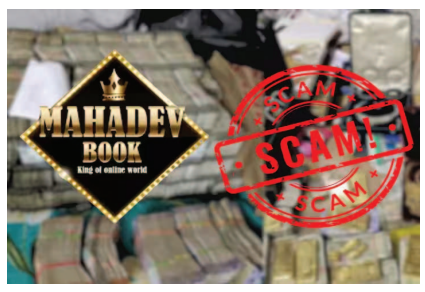

बड़ी हस्तियों के नाम आए सामने

ऑनलाइन सट्टेबाजी कराने वाले महादेव ऐप केस की जांच कर रही ईडी की रडार पर कई बॉलीवुड और टीवी एक्टर आए थे. इस मामले में ईडी ने देश के कई शहरों में छापेमारी करके 417 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी. इस मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नाम भी उछाला गया.

गुजरात में आप को बड़ा झटका, 5 में से एक विधायक का इस्तीफा; 2 और की चर्चा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका। विसावदर सीट से विधायक भूपेंद्रभाई भायाणी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक वह जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इस बीच खबर यह भी है कि पार्टी के दो और विधायक इस्तीफा दे सकते हैं। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने पांच सीटों पर कब्जा किया था। आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले भूपेंद्र विधायक पद भी छोड़ सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से भी मुलाकात कर चुके हैं। जूनागढ़ के विसावदर सीट से विधायक भूपेंद्र ने पिछले साल दिसंबर में भी भाजपा में शामिल होने का संकेत दिया था। हालांकि बाद में उन्होंने यूटर्न ले लिया था। उन्होंने जनता से मिले फीडबैक का हवाला देते हुए कहा था कि वह आम आदमी पार्टी के सिंबल पर जीते हैं और इसी के साथ बने रहेंगे।

● इस बीच खबर यह भी है कि पार्टी के दो और विधायक इस्तीफा दे सकते हैं। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने पांच सीटों पर कब्जा किया था। आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले भूपेंद्र विधायक पद भी छोड़ सकते हैं।

इन दो विधायकों का साथ छोड़ने की चर्चा

भूपेंद्र के बाद गुजरात में दो और विधायकों को लेकर चर्चा है कि वे आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ सकते हैं। गुजराती मीडिया में सूत्रों के हवाले से खबर दी गई है कि बोटाद से विधायक उमेश मकवाणा और गरियाधर से विधायक सुधीर वाघानी भी जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो लोकसभा चुनाव से आप के पास दो ही विधायक बच जाएंगे।

गढ़वी का किस पर निशाना? इस बीच आम आदमी पार्टी के पूर्व गुजरात अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने एक्स पर गद्दारी को लेकर एक पोस्ट लिखा। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इसे विधायक के इस्तीफे से जोड़कर देखा जा रहा है। इटालिया ने लिखा, कितना भी तुम गले लगाओ, लाख निभा लो यारी, बदल नहीं सकते वह, जिनकी फितरत में है गद्दारी। आइए, संघर्ष पथ पर निरन्तर चलते रहने के संकल्प के साथ आगे बढ़ते है।

भाजपा ने बाईस साल पहले

संसद की सुरक्षा में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने लगभग दो दशक पहले देश की संसद पर हुए आतंकी हमले के दौरान वीरगति को प्राप्त सुरक्षा कर्मचारियों को आज (बुधवार) नमन किया। लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर को आतंकवादियों ने 13 दिसंबर, 2001 को निशाना बनाया था। इस हमले में संसद भवन के गार्ड, दिल्ली पुलिस के जवान समेत कुल नौ सुरक्षा कर्मचारी शहीद हुए थे।

हुआ यूं था कि ठीक बाईस साल पहले 13 दिसंबर को एक सफेद एंबेसडर से संसद परिसर में घुसे पांच आतंकवादियों ने 45 मिनट में लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर को गोलियों से छलनी करके पूरे हिंदुस्तान को झकझोर दिया था। आखिरकार कई घंटे चली मुठभेड़ में पांचों आतंकी मारे गए।

भारतीय जनता पार्टी ने आज सुबह अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर देश के इन जांबाज जवानों के शौर्य और बलिदान को याद करते हुए सचित्र पोस्ट अपलोड की है। गत दिवस के इस चित्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन वीरों को सिर झुकाकर नमन करते दिख रहे हैं। भाजपा ने लिखा है- लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले मां भारती के अमर सपूतों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

यमुना एक्सप्रेसवे और केजीपी को जोड़ने के लिए 15 से शुरू होगा काम

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) को जोड़ने के लिए जगनपुर अफजलपुर के पास प्रस्तावित इंटरचेंज का निर्माण 15 दिसंबर से शुरू हो जाएगा। इसके लिए सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। उत्तर प्रदेश प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा इसकी शुरुआत करेंगे।

यमुना और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए जगनपुर अफजलपुर के पास इंटरचेंज बनना है। किसानों के विरोध के चलते इंटरचेंज का निर्माण नहीं शुरू हो पा रहा था। किसानों की समस्याओं को यमुना प्राधिकरण ने निपटा दिया है। अब इसका निर्माण शुरू होगा। इसमें करीब 100 किसानों को मुआवजा दिया जाना है। मुआवजा वितरण शुरू हो गया है। अब तक 23 किसानों को मुआवजा दिया जा चुका है। किसानों को

मुआवजा देने के बाद करीब 99 हेक्टेयर जमीन मिल जाएगी। इसमें से करीब 14 हेक्टेयर जमीन इंटरचेंज में इस्तेमाल होगी, जबकि इंटरचेंज के निर्माण में करीब 54 हेक्टेयर जमीन लगेगी। इंटरचेंज के लिए बाकी जमीन प्राधिकरण के पास है।

यमुना एक्सप्रेसवे का सफर होगा और महंगा,टोल टैक्स दरें बढ़ाने की तैयारी

एनएचएआई ने बढ़ी रकम देने की हामी भरी

इंटरचेंज बनाने के लिए वर्ष 2018 में कंपनी का चयन हो गया था। किसानों की मांगों के चलते काम नहीं शुरू हो पाया। इंटरचेंज बनाने के लिए वर्ष 2018 में 75 करोड़ रुपये में ठेका दिया गया था। पांच साल में निर्माण लागत बढ़ गई। इसका दोबारा आकलन कराया गया है। अब इसके निर्माण पर 122.89 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके निर्माण में सबसे अधिक हिस्सेदारी एनएचएआई को देनी है। एनएचएआई ने भी बढ़ी रकम देने के लिए हामी भर ली है।

प्राधिकरण वहन करेगा खर्च

इंटरचेंज से अब यमुना सिटी के सेक्टर भी जुड़ेंगे। इसके लिए उतार-चढ़ाव 60 मीटर और 30 मीटर चौड़ी सर्विस रोड पर बनाए जाएंगे। इस काम में करीब 59 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह रकम यमुना प्राधिकरण देगा।

इस तरह राह आसान होगी

दोनों एक्सप्रेसवे के लिए इंटरचेंज नहीं बनने से अभी वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अगर कोई यमुना एक्सप्रेसवे से आ रहा है और उसे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर आना है तो उसे परी चौक आकर सिरसा जाना पड़ेगा। जहां पर इंटरचेंज बनना है, वहां से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का सिरसा इंटरचेंज करीब 20 किलोमीटर है। इसके बनने से यह दूरी घट जाएगी। इससे समय और ईंधन दोनों बचेगा।

-डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना प्राधिकरण, यमुना और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए बनने वाले इंटरचेंज का निर्माण 15 दिसंबर से शुरू हो जाएगा। इसके लिए सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे; जिन्हें वाजपेयी-आडवाणी ने संवारा, उनका अब कौन सहारा

नई दिल्ली। भजनलाल शर्मा राजस्थान के मुख्यमंत्री बने, तो मोहन यादव को मध्य प्रदेश की कमान मिली है। छत्तीसगढ़ में भी विष्णु देव साय को सीएम बनाया गया है, लेकिन यहां दिग्गज रमन सिंह को स्पीकर का पद दिया है। अब सवाल है कि हिंदी पट्टी के दो बड़े राज्यों को दो बड़े नेताओं यानी शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया का क्या होगा? लंबे समय तक सीएम पद संभालने वाले ये नेता फिलहाल सिर्फ विधायक हैं। फिलहाल, भाजपा ने अब तक साफ नहीं किया है कि 70 वर्षीय राजे और 63 साल के चौहान की भविष्य की भूमिका क्या होगी। लंबे समय तक राज्य के शीर्ष पद पर रहने के बाद दोनों ही नेता खासे लोकप्रिय हैं। ऐसे में कहा जाने लगा है कि भाजपा इन्हें पार्टी या केंद्र सरकार में जगह दे सकती है। माना जाता है कि दोनों नामों को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने शुरुआती रफ्तार दी थी।

साल 1991 में वाजपेयी ने लखनऊ और विदिशा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था और दोनों ही सीटों पर उनकी जीत हुई थी। बाद में तय हुआ कि वह विदिशा सीट छोड़ेंगे। इसके बाद विदिशा से चौहान का नाम आगे बढ़ाया गया था।

क्या केंद्र में मिलेगी जगह

एमपी और राजस्थान आने से पहले राजे और चौहान दोनों ही नेता केंद्र सरकार में भी जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राजे को साल 2014 में केंद्र में आने का मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था।

बहरहाल, अब जब भाजपा ने दोनों ही राज्यों में कमान नए नेताओं को सौंप दी है, तो बड़े नामों को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा के एक नेता का कहना है कि इन दिग्गजों को बगैर कार्यभार के रखना असंभव सा है।

उन्होंने कहा, उन्हें बगैर कार्यभार के नहीं रखा जाएगा। उन्हें क्या काम मिलेगा? वे उसे स्वीकार करेंगे या नहीं? उन्हें कब मिलेगा? इन सवालों के जवाब अभी नहीं दे सकता। हमारा संगठन कार्यकर्ताओं का सम्मान करता है और बड़े समर्थकों वाले शीर्ष नेताओं को कामों से दूर नहीं रखा जा सकेगा। जबकि, कहा यह भी जाने लगा है कि अगर इन नेताओं ने मिलने वाले नए कामों को अस्वीकार किया, तो आलाकमान को फैसला करने में समय लग सकता है। साथ ही केंद्र सरकार में भी जिम्मेदारी मिलने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा रहा।

एमपी-राजस्थान में दोनों नेता मजबूत

राजस्थान में कई सांसद, विधायक और पार्टी नेता राजे के साथ नजर आते हैं। वहीं, एमपी में भी सबसे लंबे समय तक सीएम रहने का रिकॉर्ड बना चुके चौहान खासे लोकप्रिय हैं। 2018 के चुनाव में भाजपा की राजस्थान और एमपी में हार हुई थी। इसके बाद 2020 में भाजपा की वापसी के बाद एमपी की कमान दोबारा चौहान को ही सौंपी गई थी।

दिल्ली नहीं जाएंगे शिवराज?

रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी दावा करते हैं कि भविष्य के प्लान को लेकर चौहान की तरफ से की गई टिप्पणियां केंद्रीय नेतृत्व को नाराज कर सकती हैं। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, उनका कहना है कि इस बात की संभावनाएं कम हैं कि उन्हें अब दिल्ली में मौका दिया जाएगा। चौहान ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा, %मैं विनम्रतापूर्वक कहना चाहता था कि मैं (दिल्ली) जाकर अपने लिए कुछ मांगने के बजाय मर जाना पसंद करूंगा।% पिछले हफ्ते अगले मुख्यमंत्री को लेकर जारी अटकलों के बीच चौहान ने कहा था कि वह दिल्ली नहीं जाएंगे और दावा किया था कि वह कभी भी राज्य में शीर्ष पद की दौड़ में नहीं रहे हैं। चौहान ने मंगलवार को कहा, जब कोई व्यक्ति आत्मकेंद्रित होता है तो वह अपने बारे में ही सोचता है। लेकिन भाजपा एक मिशन है, हर कार्यकर्ता के लिए कुछ काम है। मुझे जो भी काम सौंपा जाएगा, मैं करूंगा।

संपादकीय

फैसले पर सुप्रीम मोहर

आखिरकार देश की शीर्ष अदालत ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जा समाप्त करने के फैसले को बरकरार रखा है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की खंडपीठ ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने की तार्किकता को न्यायसंगत ठहराया। साथ ही कोर्ट ने फिलहाल केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा शीघ्र बहाल करने और सितंबर, 2024 तक चुनाव कराने के निर्देश भी दिये। कोर्ट ने अनुच्छेद 370 को आपात स्थिति का अस्थायी प्रावधान बताते हुए इसे निरस्त करने के राष्ट्रपति के अधिकार और लद्दाख को अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाने के निर्णय को वैधता प्रदान की। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि भारत में विलय के बाद जम्मू-कश्मीर के पास आंतरिक संप्रभुता का अधिकार नहीं था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त करके राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने के फैसले की संवैधानिकता को शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने माना कि राष्ट्रपति को अनुच्छेद 370 की समाप्ति का अधिकार है। अदालत ने साफ किया कि संविधान के अनुसार जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। दरअसल, व्यापक बहस के बाद कोर्ट ने पांच सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उल्लेखनीय है कि फैसले के खिलाफ समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा करीब दो दर्जन याचिकाएं कोर्ट में दाखिल की गई थीं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 राज्य में भारत के संवैधानिक प्रावधानों को सीमित करता था और संसद को सीमित मामलों में ही राज्य के लिये कानून बनाने का अधिकार था। जिसके चलते भाजपा समेत कई दल इस अनुच्छेद को भारत की एकता के लिये बाधा मानते रहे हैं। कालांतर में पांच अगस्त, 2019 को राष्ट्रपति ने एक आदेश जारी किया था। जिसके बाद संविधान में संशोधन हुआ था। उस दौरान राजनीतिक अस्थिरता के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन था। बाद में राष्ट्रपति ने एक दूसरे आदेश में भारतीय संविधान के सभी प्रावधान जम्मू-कश्मीर में लागू करने के निर्देश दिये थे। विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद संसद ने राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में बांटने वाला कानून पारित किया। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को राजनीतिक दल व संगठन राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाला बता रहे हैं। यह भी कि जम्मू-कश्मीर का शासन अब संविधान के प्रावधानों के साथ चलेगा। इससे जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने की प्रक्रिया मजबूत होगी। उल्लेखनीय है कि कोर्ट के फैसले से साफ संदेश आया कि भारत का संविधान जम्मू-कश्मीर के संविधान से ऊंचा है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। यह भी कि राजा हरि सिंह द्वारा जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद इस राज्य की संप्रभुता खत्म हो गई थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल ने बताया है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा, लेकिन लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश बना रहेगा।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर विश्व भर के सनातनियों के लिए एक राष्ट्र मंदिर होगा

(लेखक- प्रहलाद सबनानी /ईएमएस)

पूज्य भगवान श्रीराम हमें सदैव ही मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में दिखाई देते रहे हैं। पूरे विश्व में भारतीय नागरिकों को प्रभु श्रीराम के वंशज के रूप में जानने के कारण, आज पूरे विश्व में हर भारतीय की यही पहचान भी बन पड़ी है। लगभग हर भारतीय न केवल 卐वसुधैव कुटुंबकम卐, अर्थात इस धरा पर निवास करने वाला प्रत्येक प्राणी हमारा परिवार है, के सिद्धांत में विश्वास करता है बल्कि आज लगभग हर भारतीय बहुत बड़ी हद्द तक अपने धर्म सम्बंधी मर्यादाओं का पालन करते हुए भी दिखाई दे रहा है। भारत में भगवान श्रीराम धर्म एवं मर्यादाओं के पालन करने के मामले में मूर्तिमंत स्वरूप माने जाते हैं। इस प्रकार वे भारत की आत्मा है।

विशेष रूप से आज जब पूरे विश्व में आतंकवाद अपने पैर पसार रहा है एवं जब विकसित देशों में भौतिकवादी विकास सम्बंधी मॉडल के दुष्परिणाम, लगातार बढ़ रही मानसिक बीमारियों के रूप में दिखाई देने लगे हैं, ऐसे में पूरा विश्व ही आज भारत की तरफ आशा भरी नजरों से देख रहा है कि ऐसे माहौल में केवल भारतीय सनातन संस्कृति ही विश्व को आतंकवाद से मुक्ति दिलाने में सहायक होगी एवं भारतीय आध्यात्मवाद के सहारे मानसिक बीमारियों से मुक्ति भी सम्भव हो सकेगी। इसी कारण से आज विशेष रूप से विकसित देशों यथा, जापान, रूस, अमेरिका, दक्षिणी कोरीया, फ्रान्स, जर्मनी, ब्रिटेन, कनाडा, इंडोनेशिया आदि अन्य देशों की ऐसी कई महान हस्तियां हैं जो भारतीय सनातन धर्म की ओर रुचि लेकर, इसे अपनाने की ओर लगातार आगे बढ़ रही हैं।

भारत में सनातन धर्म का गौरवशाली इतिहास पूरे विश्व में सबसे पुराना माना जाता है। कहते हैं कि लगभग 14,000 विक्रम सम्वत् पूर्व भगवान नील वराह ने अवतार लिया था। नील वराह काल के बाद आदि वराह काल और फिर श्वेत वराह काल हुए। इस काल में भगवान वराह ने धरती पर से जल को हटाया और उसे इंसानों के रहने लायक बनाया था। उसके बाद ब्रह्मा ने इंसानों की जाति का विस्तार किया और शिव ने सम्पूर्ण धरती पर धर्म और न्याय का राज्य कायम किया। सभ्यता की शुरुआत यहीं से मानी जाती है। सनातन धर्म की यह कहानी वराह कल्प से ही शुरू होती है। जबकि इससे पहले का इतिहास भी भारतीय पुराणों में दर्ज है जिसे मुख्य 5 कल्पों के माध्यम से बताया गया है। यदि भारत के इतने प्राचीन एवं महान सनातन धर्म के इतिहास पर नजर डालते हैं तो पता चलता है कि हिन्दू सनातन संस्कृति एवं सनातन वैदिक ज्ञान वैश्विक आधुनिक विज्ञान का आधार रहा है। इसे कई उदाहरणों के माध्यम से, हिन्दू मान्यताओं एवं धार्मिक ग्रंथों का हवाला देते हुए, समय समय पर सिद्ध किया जा चुका है। सनातन वैदिक ज्ञान इतना विकसित था, जिसके मूल का उपयोग कर आज के आधुनिक विज्ञान के नाम पर पश्चिमी देशों द्वारा वैश्विक स्तर पर फैलाया गया है। दरअसल, सैकड़ों सालों के आक्रमणों और गुलामी ने हमें सिर्फ राजनीतिक रूप से ही गुलाम नहीं बनाया गया था बल्कि मानसिक रूप से भी हम गुलामी की जंजीरों में जकड़े गए थे। अंग्रेजों के शासन ने हमें हमारी ही संस्कृति के प्रति हीन भावना से भर दिया था। जबकि हमारे ही ज्ञान का प्रयोग कर वे संसार भर में विजयी होते रहे और नाम कमाते रहे। अब जरूरत है कि हम अपनी इस सांस्कृतिक धरोहर को जाने और इस पर गर्व करना भी सीखें।

इसी क्रम में पूरे विश्व में निवास कर रहे हिन्दू सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए हमारे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जिनके नाम से आज विश्व में भारत की पहचान होती है, का एक भव्य मंदिर भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में बनाया जाना शाश्वत प्रेरणा के साथ साथ एक आवश्यकता भी माना जाना चाहिए। चूंकि बाबर एवं मीर बाकी नामक आक्रांताओं ने भगवान श्रीराम के मंदिर का विध्वंस कर उस स्थान पर एक मस्जिद का निर्माण कर लिया था अतः पुनः इस स्थान को मुक्त कराने हेतु प्रभु श्रीराम के भक्तों को 492 वर्षों तक लम्बा संघर्ष करना पड़ा है। अतीत के 76 संघर्षों में 4 लाख से अधिक रामभक्तों ने बलिदान दिया है एवं लगभग 36 वर्षों के सुसूत्र ऋंखलाबद्ध अभियानों के फलस्वरूप सम्पूर्ण समाज ने लिंग, जाति, वर्ग, भाषा, सम्प्रदाय, क्षेत्र आदि भेदों से ऊपर उठकर एकात्मभाव से श्रीराम मंदिर के लिए अप्रतिम त्याग और बलिदान किया है। अंततः उक्त बलिदानों के परिणामस्वरूप 9 नवम्बर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि पर अनुसूचित समाज के बन्धु श्री कामेश्वर चौपाल ने पूज्य संतों की उपस्थिति में शिलान्यास सम्पन्न किया था। परंतु, प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण करने हेतु जमीन के स्वामित्व सम्बंधी कानूनी लड़ाई अभी भी समाप्त नहीं हुई थी। इस प्रकार आस्था का यह विषय न्यायालयों की लम्बी प्रक्रिया (सत्र न्यायालय से सर्वोच्च न्यायालय तक) में भी फंस गया था। अंत में, पौराणिक-साक्ष्यों, पुरातात्विक-उत्खनन, राडार तरंगों की फोटो प्रणाली तथा एतिहासिक तथ्यों के आधार पर उच्चतम न्यायालय की 5 सदस्यीय पीठ ने 9 नवम्बर 2019 को सर्व सम्मति से एकमत होकर निर्णय देते हुए कहा 卐यह 14000 वर्गफीट भूमि श्रीराम लला की है।卐 इस प्रकार सत्य की प्रतिष्ठा हुई, तथ्यों और प्रमाणों के साथ श्रद्धा, आस्था और विश्वास की विजय हुई। तत्पश्चात, भारत सरकार ने 5 फरवरी 2020 को 卐श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र卐 नाम से न्यास का गठन कर अधिग्रहीत 70 एकड़ भूमि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंप दी। तदुपरांत 25 मार्च, 2020 को श्री राम लला तिरपाल के मन्दिर से अपने अस्थायी नवीन काष्ठ मंदिर में विराजमान हुए।

अंततः 5 अगस्त 2020 को सदियों के स्वप्न-संकल्प सिद्धि का वह अलौकिक मुहूर्त उपस्थित हुआ। जब पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी सहित देश भर की विभिन्न आध्यात्मिक धाराओं के प्रतिनिधि पूज्य आचार्यों, संतो, एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सर संघचालक डा0 मोहन भागवत जी के पावन सानिध्य में भारत के जनप्रिय एवं यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भूमि पूजन कर मंदिर निर्माण का सूत्रपात किया। इस शुभ मुहूर्त में देश के 3000 से भी अधिक पवित्र नदियों एवं तीर्थों का जल, विभिन्न जाति, जन जाति, श्रद्धा केंद्रों तथा बलिदानी कार सेवकों के घर से लायी गई रज (मिट्टी) ने सम्पूर्ण भारत वर्ष को आध्यात्मिक रूप से 卐भूमि पूजन卐 में उपस्थित कर दिया था। आज, प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर अब अपनी सम्पूर्णता की ओर तेजी से अग्रसर है और इस विशाल एवं भव्य मंदिर का शुभारम्भ भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी 22 जनवरी 2024 को परम पूज्य संत मंडल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत के सानिध्य में करने जा रहे है।

भारत में पूज्य संतों ने यह आह्वान किया है कि श्रीराम जन्म भूमि में भव्य मंदिर बनने के साथ साथ जन जन के हृदय मंदिर में श्रीराम एवं उनके नीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा भी होनी चाहिए। श्रीराम 14 वर्षों तक नंगे पैर वन वन घूमें। समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। उन्होंने वंचित, उपेक्षित समझे जाने वाले लोगों को आत्मीयता से गले लगाया, अपनत्व की अनुभूति कराई, सभी से मित्रता की। जटायु को भी पिता का सम्मान दिया। नारी की उच्च गरिमा को पुनर्स्थापित किया। असुरों का विनाश कर आतंकवाद का समूल नाश किया। राम राज्य में परस्पर प्रेम, सद्भाव, मैत्री, करुणा, दया, ममता, समता, बंधुत्व, आरोग्य, त्रिविधताप विहीन, सर्वसमृद्धि पूर्ण जीवन सर्वत्र था। अतः हम सभी भारतीयों को मिलकर पुनः अपने दृढ़ संकल्प एवं सामूहिक पुरुषार्थ से पुनः एक बार ऐसा ही भारत बनाना है।

प्रभु श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या में केवल एक भव्य मंदिर बनाने की परिकल्पना नहीं की गई है बल्कि भव्य मंदिर के साथ साथ विशाल पुस्तकालय, संग्रहालय, अनुसंधान केंद्र, वेदपाठशाला, यज्ञशाला, सत्संग भवन, धर्मशाला, प्रदर्शनी, आदि को भी विकसित किया जा रहा है, ताकि आज की युवा पीढ़ी को प्रभु श्रीराम के काल पर अनुसंधान करने में आसानी हो। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर को राष्ट्र मंदिर इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि यहां आने वाले हर व्यक्ति को यह मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की पहचान कराएगा। पूरे विश्व में यह मंदिर हिन्दू सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए आस्था का केंद्र बनने जा रहा है अतः यहां पूरे विश्व से सैलानियों का लगातार आना बना रहेगा। यह मंदिर पूरे विश्व में हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए एक महत्वपूर्ण आस्था का केंद्र बनने के साथ साथ पर्यटन के एक विशेष केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है, इसलिए प्रभु श्रीराम की कृपा से करोड़ों व्यक्तियों की मनोकामनाओं की पूर्ति के साथ साथ लाखों लोगों को रोजगार के अवसर भी प्रदत्त होंगे।

जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर विशेष)

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन किया जाता है। ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

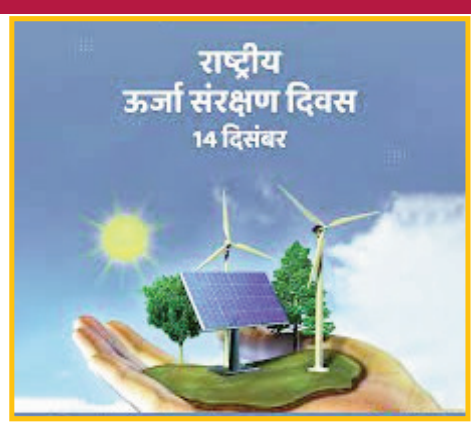

विचार मंथन

सरकार और सुप्रीम कोर्ट के फैसले से गिरेगी भारत की साख

(लेखक-सनत जैन)

जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली अनुच्छेद 370 की याचिका को निरस्त करने और सरकार के निर्णय को बरकरार रखने में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार कीसाख पर विपरीत असर पडने जा रहा है। धारा 370 को लेकर भारत सरकार ने 1947, 1950, 1951, 1952, 1954, 1956, 1975, 1980 से लेकर 1990 के बीच में भारत सरकार और कश्मीर के बीच में विभिन्न स्तरों पर समय-समय पर धारा 370 और 35 ए के तहत समझौते हुए हैं। भारत सरकार ने इन समझौते में धीरे-धीरे करके विशेष प्रावधान को कम करते हुए धारा 370 के विशेष प्रावधानों को एक तरह से खत्म ही कर दिया था। सिर्फ एक ही मुद्दा धारा 370 का बचा हुआ था जिसमें बाहर से कोई भी आदमी आकर यहां पर जमीन नहीं ले सकता था। नाही यहां पर नौकरी कर सकता था। जो कश्मीर की आवो- हवा और कश्मीर को सुरक्षित करने के लिए जरूरी भी थी। राष्ट्रपति शासन लगाकर जिस तरह से वहां पर विधानसभा को नजर अंदाज करते हुए, राष्ट्रपति शासन लगा करके जो फैसला थोपने की कोशिश की गई है। उससे कश्मीर की आवाम नाराज है। केवल कश्मीर और धारा 370 की बात नहीं है। धारा 371 के तहत भी 11 राज्यों के साथ इसी तरह के समझौते केन्द्र सरकार ने किए हैं। जहां पर उन्हें विशेष अधिकार दिए गए हैं। धारा 370 का प्रावधान जम्मू कश्मीर के लिए था। जिसमें उसे विशेष अधिकार मिले थे। इसी तरह से धारा 371 के तहत गोवा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड, असम, मणिपुर, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश एवं आदिवासी प्रदेशों को भी विशेष अधिकार दिए गए थे। समय-समय पर इसी तरीके से राज्यों का विलय किया गया था। भारत सरकार का अंग बनाते समय विशेष उपबंध करके प्रावधान किए गए थे। संविधनिक प्रावधान के अनुसार इनमें कभी भी कोई भी परिवर्तन किया जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए वहां की विधानसभा की भी मंजूरी आवश्यक होती है। इसके पहले सरकार ने जो भी प्रावधान खत्म किए हैं। सब मामलों में विधानसभा से सहमति बनाकर भारत सरकार ने 1950 के बाद से लगातार 37 बार जम्मू-कश्मीर के विशेष प्रावधान खत्म किए थे। लेकिन उनका राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल न करके राष्ट्रीयता के लिए इस्तेमाल किया गया। धारा 370 को जिस तरीके से खत्म किया गया है। उसमें राष्ट्रपति शासन लगाकर वहां के जनमत की राय लिए बिना धारा 370 को निष्प्रभावी किया गया है। उसके कारण वहां की जनता की जो मुख्य चिंता है। अन्य प्रदेशों के लोग आकर जम्मू-कश्मीर में जमीन लेंगे। उद्योग स्थापित करेंगे, और वहां की जो संस्कृति है। उसको बचाए रख पाना उनके लिए संभव नहीं होगा। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के पास और कोई विशेष प्रावधान नहीं बचे थे। सरकार ने अब यही प्रावधान खत्म कर दिए हैं। वहां की जनता इसे स्वीकार नहीं कर रही है। इससे अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है, कि पिछले 5 वर्षों में वहां पर भारी मिलिट्री और सुरक्षा बल तैनात किए गए। कई महीनो तक इंटरनेट बंद करके रखा गया। वहां के नेताओं को नजरबंद किया गया। अभी भी कोई सरकार नहीं है। वहां पर कश्मीरी पंडितों को नौकरी देकर बसाया गया था। वह भी नौकरी छोड़कर वहां से भाग रहे हैं। पिछले 4 सालों में हम कश्मीरी पंडितों को भी वहां पर नहीं बसा पाए। वहां का निवेश लगातार घटता चला जा रहा है। आतंकी घटनाएं रुक नहीं रही हैं। सैकड़ो सेना के जवान पिछले 4 सालों में मारे गए हैं। इतना भारी सुरक्षा बल तैनात करने के बाद भी यदि हम स्थितियों पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे हैं। तो जिस उद्देश्य के लिए इसे खत्म किया गया था वह उद्देश्य तो आज भी पूरा नहीं हो रहा है। उलटे जम्मू-कश्मीर की स्वतयता को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धारा 370 का कूटनीति के रूप में भारत सरकार इस्तेमाल करती थी। भारत सरकार की कूटनीति अब सफल हो पाएगी। केंद्र सरकार पर अब लोगों का भरोसा भी खत्म हो जाएगा। जो समझौते किए जाते हैं, उनका पालन करने में यदि सरकार इस तरीके का दांव पेंच लगाकर ताकत के बल पर उनके अधिकार को छीन रही है। भारत सरकार के लिए कई नई-नई परेशानियां खड़ी होगी। मणिपुर की हालत किसी से छिपी नहीं है। यहां सरकार को लेकर विश्वास का संकट है। इसका असर मिजोरम में भी पड़ा है। धीरे-धीरे सीमावर्ती सभी राज्य जिन्हें विशेष प्रावधान देकर भारत के साथ जोड़ा गया था। वह सब अशांत होते चले जाएंगे।

ग्रीन एनर्जी के लिए 100 अरब डॉलर खर्च करेगा अडानी ग्रुप

नई दिल्ली । ग्रीन एनर्जी के लिए अडानी ग्रुप 100 अरब डॉलर खर्च करेगा। गौरतलब है कि अडानी ग्रुप ग्रीन एनर्जी के लिए काफी निवेश कर रहा है। इसकी वजह यह है कि अडानी ग्रुप अपने कारोबारों में भी ग्रीन एनर्जी का उपयोग करना चाहता है। ग्रुप की 5 कंपनियों का लक्ष्य साल 2050 तक कार्बन उत्सर्जन मुक्त होना है। इसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए अडानी ग्रुप अगले 10 साल में ग्रीन एनर्जी पर 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा। अहमदाबाद बेस्ड इस ग्रुप का कारोबार पोर्ट्स, एनर्जी, सीमेंट और पावर आदि सेक्टर्स में फैला हुआ है। ग्रुप ने कहा है कि उसने साल 2030 तक 100 मिलियन (10 करोड़) पेड़ लगाने का भी संकल्प लिया है। अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एनर्जी सोल्यूशंस, अडानी पोर्ट्स, एसीसी और अंबुजा सीमेंट का साल 2050 तक कार्बन मुक्त बनने का लक्ष्य है। कंपनी ने एक बयान जारी कर कहा कि अडानी के पोर्टफोलियो बिजनस एक्टिव रूप से रिन्यूएबल्स की सोर्सिंग कर रहे हैं। साथ ही ऑपरेशंस का विद्युतीकरण कर रहे हैं और बायोफ्यूल्स को अपना रहे हैं। इसके अलावा वे वेस्ट हीट रिकवरी और एनर्जी स्टोरेज टेक्नोलॉजीज को अपना रहे हैं। ग्रुप की कुछ योजनाओं में हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक ट्रक का डेवलपमेंट और गुजरात में ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम का विकास शामिल है। ग्रुप ने अपने बयान में कहा है` कि ग्रीन हाइड्रोजन एडोप्शन अडानी ग्रुप के लिए आसान होगा। बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल्स और एंड-टू-एंड ईपीसी कैपेबिलिटी के साथ पूरी तरह से इंटिग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सभी एक सिंगल लोकेशन पर है। इससे लागत में कमी आएगी। लॉजिस्टिक्स और माइनिंग में ट्रांसपोर्टेशन के लिए हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक ट्रक डेवलप करने को लेकर कंपनी ने अशोक लेलैंड और बैलार्ड पावर के साथ समझौता किया है। इसकी लॉंचिंग इसी साल होने की उम्मीद है।

सराफा बाजार में सोना हुआ सस्ता, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली । सराफा बाजार में सोने के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले जरूर लेकिन बाद में इनके भाव में कमी देखी गई। इसी तरह चांदी के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। आज सोने के वायदा भाव 61,100 रुपये और चांदी के वायदा भाव 71,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में नरम पड़ गए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट आज 15 रुपये की तेजी के साथ 61,196 रुपये के भाव पर खुला। हालांकि खबर लिखे जाने के तक यह कॉन्ट्रैक्ट 76 रुपये की गिरावट के साथ 61,105 रुपये के भाव पर था। इस समय इसने 61,196 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 61,085 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पा लिया। बता दें कि पिछले सप्ताह सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट आज 117 रुपये की गिरावट के साथ 71,745 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 287 रुपये की गिरावट के साथ 71,575 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। बता दें कि इस समय इसने 71,745 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,551 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर पा लिया। हालों कि पिछले सप्ताह चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरूआत वहां भी आज तेज रही। लेकिन बाद इनके भाव में कमी देखी गई। कोमेक्स पर सोना 1,995.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। हालांकि पिछला क्लोजिंग प्राइस 1,993.20 डॉलर था। खबर लिखे जाने तक यह 0.40 डॉलर की गिरावट के साथ 1,992.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर रहा था।

लोस सत्र : वित्त मंत्री ने दी पूरक अनुदान मांग को मंजूरी

नई दिल्ली ।

लोकसभा में वित्त वर्ष 2024 की पहली पूरक अनुदान मांग पर जवाब देते हुए केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार ने लोक कल्याणकारी गतिविधियों पर व्यय से समझौता किए बगैर राजकोषीय सुदृढ़ता को अपनी शीर्ष प्राथमिकता पर रखा है। सीतारमण ने कहा` कि दूसरी तिमाही में हमारी जीडीपी वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रही है, जो विश्व में सर्वाधिक है। वृहद आर्थिक अवधारणा की `` दिशा में हम विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। सीतारमण ने बताया` कि लोकसभा ने 1.29 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त सकल व्यय को मंजूरी दे दी, जिसे सीतारमण ने पहली पूरक अनुदान मांग के रूप में प्रस्तुत किया था,` जिसमें 58,378 करोड़ रुपये शुद्ध अतिरिक्त व्यय शामिल है।अतिरिक्त व्यय की मांग उर्वरक (13,351 करोड़ रुपये) और खाद्य सब्सिडी (10,396 करोड़ रुपये), गारंटी रिडंप्शन फंड (9,014 करोड़ रुपये) और रक्षा व्यय (5,626 करोड़ रुपये) के लिए है। वित्त मंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को 20,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए जाने के बाद मनरेगा का कुल बजट समर्थन दिसंबर 2023 तक बढ़कर 80,000 करोड़ रुपये हो गया है। सीतारमण ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सरकार एक बार फिर दूसरी पूरक मांग पेश करेगी। पिछले 2-3 साल में सिर्फ 2 पूरक बजट पेश करने से पता चलता है कि सरकार ने बजट बनाने में कितनी कवायद की है। सरकार किसानों और ग्राहकों के हितों के बीच संतुलन बनाने से हित किसान की जरूरतों के मुताबिक पर्याप्त मूल्य मुहैया कराने को लेकर भी सचेत है। उन्होंने कहा, 'अक्सर जब हम ऐसा करते हैं तब ऐसी स्थिति होती है कि कीमत बढ़ती है। हमें आपूर्ति संबंधी व्यवधान दूर करने और सभी माल बाजार तक लाने की जरूरत है।'केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के लिए धन जारी किए जाने को लेकर राज्यों की शिकायत पर सीतारमण ने कहा कि कुछ राज्यों ने एकल नोडल एजेंसी खाते का धन खर्च नहीं किया है। सीतारमण ने कहा कि कुछ राज्यों ने ब्रांडिंग और नाम को लेकर दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया है।

सीतारमण ने कहा, 'अगर रो शि बची रहेगी तो स्वाभाविक रूप से उसे खर्च किए बिना अगली किस्त नहीं मिलेगी। सालाना कार्ययोजना दाखिल न किए जाने से भी केंद्रीय योजनाएं लागू नहीं हो पाएंगी।'

कबेरी ने की नए सीईओ की नियुक्ति

टोरंटो । ब्लैकबेरी ने जॉन जे जियामाटेओ को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक मंडल का सदस्य नियुक्त करने की घोषणा की है, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। रिचर्ड (डिक) लिंच, जिन्होंने 4 नवंबर से अंतरिम सीईओ के रूप में कार्य किया, बोर्ड अध्यक्ष के रूप में बने रहने वाले हैं। कंपनी ने घोषणा की कि वह आईओटी और साइबर सुरक्षा व्यवसायों को अलग कर देगी, और वे पूरी तरह से स्टैंडअलोन डिवीजनों के रूप में काम करने वाले है। ब्लैकबेरी ने कहा कि वह अब आईओटी व्यवसाय की सहायक आईपीओ को आगे नहीं बढ़ाएगा। ब्लैकबेरी बोर्ड की मुआवजा, नामांकन और गवर्नेंस समिति के अध्यक्ष माइक डेनियल ने कहा, जियामाटेओ के गहन उद्योग अनुभव और प्रेरक टीमों के उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड और परिचालन उत्कृष्टता प्रदान करने का मतलब है कि वह ब्लैकबेरी के इस महत्वपूर्ण परिवर्तन को चलाने के लिए मजबूती से तैनात हैं। जियामाटेओ ने अक्टूबर 2021 से ब्लैकबेरी की साइबर सुरक्षा व्यवसाय इकाई के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। उनके पास वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है। जियामाटेओ ने कहा, मैं सीईओ के रूप में ब्लैकबेरी के विकास के अगले चरण का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं।

वित्तीय स्थिति सुधारने इक्विटी रूट से स्पाइसजेट जुटाएगी 2,250 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

वित्तीय संकट में फंसी निजी विमानन कंपनी स्पाइसजेट बोर्ड ने इक्विटी वारंट जारी करके 2,250 करोड़ रुपए (लगभग 270 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से ज्यादा जुटाने की मंजूरी दे दी है। इससे एयरलाइन की वित्तीय ताकत को मजबूती मिलेगी और इसके विकास में तेजी लायेगी। एक बोर्ड की बैठक के बाद, कंपनी ने घोषणा की है कि वह निजी प्लेसमेंट के आधार पर इक्विटी शेयर/इक्विटी वारंट जारी करेगी, जो कि आवश्यकतानुसार शेयरधारक और विनियामक अनुमोदन के अधीन होगा। प्रस्तावित तरजीही इश्यू में एलारा इंडिया अपॉर्चुनिटीज फंड, एरीज अपॉर्चुनिटीज फंड, महापात्रा यूनिवर्सल लिमिटेड, नेक्सस ग्लोबल फंड, प्रभुदास लीलाधर और रेजोनेंस अपॉर्चुनिटीज फंड जैसे निवेशक होंगे। इस संबंध में स्पाइसजेट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण धन उगाही है और इसे स्पाइसजेट की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने, परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने, बकाया मुद्दों को निपटाने और गतिशील विमानन क्षेत्र में निरंतर विकास के लिए एयरलाइन को फिर से स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एमडी अजय सिंह ने कहा कि पूंजी जुटाने से एयरलाइन को भारत में विश्व स्तरीय एयरलाइन बनाने का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। जुटाई गई पूंजी बेड़े में वृद्धि, रूट नेटवर्क विस्तार और तकनीकी प्रगति सहित परिचालन विस्तार पहल के वित्तपोषण में सहायक होगी। इस बीच, एयरलाइन ने अपने सितंबर तिमाही के नतीजे भी जारी किए जिसमें उसने 428 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसे 835 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। सिंह ने कहा जुलाई-सितंबर तिमाही ऐतिहासिक रूप से विमानन उद्योग के लिए एक चुनौतीपूर्ण रहा। इस साल, ईंधन की ऊंची कीमतों से चुनौतियां और बढ़ गईं, जिससे परिचालन लागत पर भी भारी असर पड़ा।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई ।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजे से पहले भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को मामूली बढ़त दर्ज हुई। शुरूआती गिरावट से उबरकर सेंसेक्स 34 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर नतीजे जारी करने से पहले निवेशकों के सतर्क रुख और शुरूआती कारोबार के दौरान आईटी स्टॉक्स में 2 प्रतिशत तक की गिरावट के चलते बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 33.57 अंक चढ़कर 69,584.60 अंक पर बंद हुआ। शुरूआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 400 से ज्यादा अंक तक लुढ़क गया था। हालांकि, बाद में गिरावट से उबरकर हरे निशान में बंद हुआ। इस तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 19.95 अंक की मामूली बढ़त के साथ 20,926.35 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 31 कंपनियों के शेयर हरे, जबकि 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मा, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन और टाटा स्टील के शेयर प्रमुख लाभ में रहे। दूसरी तरफ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। स्टॉक एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) खरीदार थे, क्योंकि उन्होंने 76.86 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। बता दें कि घरेलू और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने भविष्य में जल्द ब्याज दरों में कटौती की संभावना को कम कर दिया है। इससे निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। नवंबर में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति तीन महीने में सबसे तेज वृद्धि के साथ 5.55 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अक्टूबर में 4.87 प्रतिशत और सितंबर में 5.02 प्रतिशत थी।

आयात में बढ़ोतरी व मांग में आई भारी कमी से इस्पात के दाम गिरे

नई दिल्ली।

आयात में बढ़ोतरी और त्योहार के बाद मांग में आई भारी कमी से इस्पात के दाम गिर गए हैं। यही वजह है कि हालात ने देश की इस्पात मिलों को दामों में कमी के लिए मजबूर किया है। जबकि वैश्विक स्तर पर स्पात के दाम बढ़ रहे हैं। बाजार के सूत्रों के मुताबिक इस्पात कंपनियों ने दिसंबर के लिए सुझाए खुदरा दामों (लिस्ट प्राइस) में दो से तीन प्रतिशत तक की कटौती की है ताकि दाम बाजार स्तर के अनुरूप हो सकें। एक प्रमुख स्पात उत्पादक ने कहा कि यह ऐसी कमी थी ताकि कारोबार अब तक हुए आयात के साथ प्रतिस्पर्धा कर सके। इस्पात उद्योग कुछ महीनों से बढ़ते आयात, खास तौर पर चीन से कम दाम वाली सामग्री के संबंध में चिंता जताता रहा है। उद्योग जगत ने इसे सरकार के समक्ष भी उठाया है। आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी रंजन धर ने कहा कि भारतीय इस्पात क्षेत्र वर्तमान में आयात-जनित बाधाओं से जूझ रहा है लेकिन दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक-दो महीने से बाजार के दाम मिल के दामों से कम पर कारोबार कर रहे हैं। इस संबंध में जेएसडब्ल्यू स्टील के संयुक्त प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी जयंत आचार्य ने कहा कि बाहर के कमजोर माहौल की वजह से आयात की तीव्रता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मजबूत घरेलू मांग के साथ भारत कम कीमतों पर वैश्विक व्यापार के लिए आकर्षक बाजार बन गया है। उन्होंने कहा कि आयात में चीन की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है और यह 52 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। एफटीए देशों से शून्य शुल्क स्तर वाला आयात भी बढ़ गया है। आचार्य ने कहा कि उनमें से कुछ ऋणात्मक मार्जिन पर काम कर रहे हैं और उस सामग्री को भारत में खपाने की भी कोशिश कर रहे हैं।

टायर बेचने वाले रवि उप्पल ने खड़ा किया 6 हजार करोड़ का एम्पायर

भिलाई। महादेव ऐप के माध्यम से सट्टा कारोबार में फंसा ऐप का मालिक रवि उप्पल 6 हजार करोड़ का आसामी है। उसने देखते ही देखते इतना बड़ा एम्पायर खड़ा कर लिया है। इससे पहले रवि भिलाई में टायर बेचने का काम करता था। इसके अलावा जगह-जगह नलकूप खनन का काम करने वाले रवि के पिता भिलाई इस्पात संयंत्र में बड़े पद पर थे, जो रिटायर हो गए थे। इस दौरान उन्होंने काफी पैसे एकत्र कर रखें थे।रवि उप्पल जगह-जगह होने वाले आयोजनों में जाकर पैसे दिया करता था और अपने नाम का प्रचार प्रसार करवाता था। अपने आपको बड़ा आदमी बताने में लगा रहता था। इसके द्वारा सेक्टर 6 स्थित एक मंदिर में नलकूप खनन करवा कर पैसे भी नहीं लिए गए थे। जहां पर भी खेलों का आयोजन होता था वहां पर यह पहुंचकर पैसे दिया करता था। रवि उप्पल नेहरू नगर में रहता था। इस घर को उसके पिताजी ने खरीदा था। सौरभ चंद्राकर के साथ यह भिलाई में सट्टा भी खेलता था। महादेव ऐप को लेकर रवि उप्पल सौरभ चंद्राकर के साथ दुबई चला गया था।

आईफोन निर्माता फॉक्सकॉन कर्नाटक में करेगी 139.11 अरब रुपयों का निवेश

नई दिल्ली ।

कर्नाटक में आईफोन निर्माता कंपनी फॉक्सकॉन 1.67 बिलियन डॉलर यानी करीब 139.11 अरब रुपयों का अतिरिक्त निवेश करने जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार फॉक्सकॉन द्वारा अप्रैल 2024 तक कर्नाटक में आईफोन का निर्माण शुरू करने की भी उम्मीद है। इसकी जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। राज्य सरकार की ओर से जरी` किए गए एक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि ताइवान स्थित कंपनी करीब 70 फीसदी आईफोन असेंबल करती है। कंपनी ने दक्षिण भारत में विनिर्माण सुविधाओं में भारी निवेश करके पिछले वर्ष में भारत में अपनी उपस्थिति का तेजी से विस्तार किया है। कर्नाटक में ही कंपनी ने बीते अगस्त महीने में आईफोन के लिए केसिंग कंपोनेंट और चिप बनाने वाले इक्विटमेंट्स बनाने की दो परियोजनाओं में करीब 600 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। बताया जा रहा है कि फॉक्सकॉन द्वारा अप्रैल 2024 तक कर्नाटक में आईफोन का निर्माण शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इस परियोजना से करीब 50,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

हालांकि अभी सरकार ने फिलहाल कंपनी के कर्नाटक में अतिरिक्त निवेश की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी है। कर्नाटक में फॉक्सकॉन ने जिन दो बड़े प्रोजेक्ट को शुरु करने की घोषणा की थी, उसमें पहला प्लांट फोन इन्क्लोजर प्रोजेक्ट होगा। इससे 12 हजार लोगों को नौकरी मिलेगी। वहीं दूसरा प्लांट सेमिकॉन इक्विपमेंट प्रोजेक्ट होगा, जिसमें कंपनी 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और इससे करीब एक हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। कोरोना वायरस संकट और चीन व अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की वजह से भारत सरकार ने चीन की जगह मैन्युफैक्चरिंग का विकल्प देखने वाली कंपनियों को लुभाने के लिए आकर्षित किया है। सरकार की इसी पहल पर अब आईफोन को असेंबल करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन कर्नाटक में भारी निवेश करने जा रही है।

नोएडा में पेट्रोल महंगा तो पटना में हुआ मामूली सस्ता

नई दिल्ली ।

ईंधन के दामों में प्रे तिदिन संशोधन के हिसाब से आज नोएडा में पेट्रोल कुछ महंगा हो गया जबे कि पटना में पेट्रोल के भाव में मामूली गिरावट आई है। उधर अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल में मजबूती नजर नहीं आ रही है। बुधवार सुबह 6 बजे के करीब डब्ल्यूटीआई क्रूड किसी तरह हरे निशान में रहते हुए 68.68 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं, ब्रेंट क्रूड करीब 3 डॉलर लुढ़कर 73.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। आज अधिकांश राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिख रहा है। हालांकि, महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 27 पैसे और डीजल में 24 पैसे की तेजी नजर आ रही है। इसके अलावा राजस्थान में भी पेट्रोल 17 और डीजल 15 पैसे महंगा हो गया है। झारखंड में भी इनकी कीमतों में तेजी दिख रही है। हरियाणा, केरल, कर्नाटक और पंजाब में आज पेट्रोल-डीजल की कीमत में मामूली गिरावट हुई है।

आज दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.05 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चेन्नई में पेट्रोल 102.80 रुपये और डीजल 94.40 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सब्जी, अनाज समेत खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से फिर बढ़ी महंगाई

नई दिल्ली ।

सब्जी, अनाज समेत खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से खुदरा महंगाई में एक बार फिर तेजी आई है। जिसके चलते खुदरा महंगाई नवंबर में बढ़कर तीन महीने के उच्चस्तर 5.55 प्रतिशत पर पहुंच गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई अक्टूबर में 4.87 प्रतिशत और पिछले साल यानी 2022 के इसी महीने में 5.88 प्रतिशत के स्तर पर थी। महंगाई दर अगस्त में 6.83 प्रतिशत थी। उस समय से इसमें गिरावट जारी थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर नवंबर महीने में बढ़कर 8.7 प्रतिशत रही जो अक्टूबर में 6.61 प्रतिशत और पिछले साल नवंबर में 4.67 प्रतिशत थी। बता दें कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य वस्तुओं की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। मसालों की महंगाई में सालाना आधार पर 21.55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा दाल और उसके उत्पादों में 20.23 प्रतिशत, सब्जियों में 17.7 प्रतिशत और फलों की महंगाई में 10.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इधर अनाज और उसके उत्पादों की महंगाई सालाना आधार पर 10.27 प्रतिशत रही। हालांकि, तेल और वसा के खुदरा दाम में 15 प्रतिशत की गिरावट आई। एनएसओ के आंकड़ों पर ध्यान दें तो ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई 5.85 प्रतिशत रही, जबकि शहरी केंद्रों में यह 5.26 प्रतिशत रही। इससे महंगाई का राष्ट्रीय औसत 5.55 प्रतिशत रहा। जानकारी के अनसार भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई पर गौर करता है। उसे दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ इसे चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। आरबीआई ने पिछले सप्ताह मौद्रिक नीति समीक्षा में उपभोक्ता महंगाई के चालू वित्त वर्ष में 5.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है। इस समय ओड़िशा में महंगाई सबसे ज्यादा 7.65 प्रतिशत रही। इसके अलावा, बिहार, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना और राजस्थान में महंगाई छह प्रतिशत से अधिक रही। वहीं दिल्ली में महंगाई दर सबसे कम 3.1 प्रतिशत रही। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि सब्जियों की महंगाई में तेज वृद्धि से खाद्य वस्तुओं और पेय पदार्थों की महंगाई बढ़कर आठ प्रतिशत हो गयी। मुख्य (कोर) उपभोक्ता महंगाई नवंबर, 2023 में 4.2 प्रतिशत रही, जो अक्टूबर 2023 में 4.4 प्रतिशत थी। अे दिति नायर ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद यह मुख्य उपभोक्ता महंगाई का न्यूनतम स्तर है।

पीएलसी को पीछे छोड़ आईटीसी बनी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी तंबाकू कंपनी

-सिगरेट बेचने के अलावा कंपनी के पास और भी हैं कई काम

नई दिल्ली ।

पीएलसी को पीछे छोड़कर इंडियन टोबाको कंपनी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी तंबाकू कंपनी बन गई है। मिली जानकारी के अनुसार कंपनी ने लंदन आधारित ब्रिटेन अमेरिका टोबाको पीएलसी को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। दरअसल, बैट के शेयरों में पिछले कुछ दिनों में जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली जिससे कंपनी का मार्केट कैप 65 अरब डॉलर रह गया है। दूसरी ओर आईटीसी का मार्केट कैप 67 अरब डॉलर यानी 5.6 लाख करोड़ रुपये है। इस तरह से अब आईटीसी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी तंबाकू कंपनी बन गई है। आईटीसी के सिगरेट ब्रांड्स में क्लासिक, गोल्ड फ्लैक, ब्रिस्टल, नेवी कट और प्लेयर्स शामिल हैं। जानकार बता रहे हैं कि अमेरिका में धुम्रपान को लेकर बढ़ती जागरूकता और स्वास्थ्य कानूनों का असर बैट के बिजनेस पर दिख रहा है। वहीं, वेप जैसे विकल्पों के आ जाने से पारंपरिक सिगरेट की सेल में भी गिरावट आई है। कंपनी का मानना है कि यूएस में पारंपरिक सिगरेट का मार्केट अब खत्म हो रहा है। कंपनी ने यूएस में अपने ब्रांड्स की वैल्यू को घटा दिया है जिससे उसे 31.5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। जिसके कारण लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए।

वहीं भारतीय कंपनी आईटीसी के शेयरों में तेजी दिख रही है। इसका बड़ा कारण यह है` कि आईटीसी केवल सिगरेट के बिजनेस में नहीं है। आईटीसी अपने बिजनेस को होटल से लेकर फूड-बेवरेजेस तक डायवर्सिफाई में कर रही है। देश की सबसे बड़ी होटल चेन्स में आईटीसी होटल्स भी शामिल हैं। दिल्ली में ही आईटीसी मौर्या सबसे बड़े होटलों में से एक है। आईटीसी के शेयरों ने पिछले एक साल में 34 फीसदी से ज्यादा की चढ़ाई की है। वहीं, पिछले 3 साल में ये शेयर 125 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। बता दें कि आईटीसी में भी बैट की हिस्सेदारी। गौरतलब है` कि आईटीसी की शुरुआत इंपीरियल टोबाको कंपनी के रूप में 1910 में हुई थी। इसकी ब्रिटिश पेरेंट कंपनी की सब्सिडियरी थी। यह पेरेंट कंपनी बैट ही थी। हालांकि अब बैट की हिस्सेदारी आईटीसी में केवल 29 फीसदी ही रह गई है। आईटीसी के 80 जगहों पर 115 होटल्स हैं। यह एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स भी बेचती है।

सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका में रचा इतिहास, धोनी और कोहली दोनों को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वर्षा प्रभावित मैच में ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। भारत को दूसरे टी20आई मैच में हार का सामना करना पड़ा जिससे दक्षिण अफ्रीका तीन मैचों की टी20आई सीरीज में 1-0 से आगे निकल गया।

भारत की ओपनिंग जोड़ी के फेल होने के बाद सूर्यकुमार ने तिलक वर्मा और फिर रिंकू सिंह के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की। सूर्यकुमार अर्धशतकीय पारी खेलकर वापस लौटे और इतिहास रच दिया। सूर्यकुमार दक्षिण अफ्रीका में बतौर कप्तान टी20आई क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यकुमार ने 36 गेंदों पर 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 56 रन की पारी खेली।

सूर्यकुमार ने इस मामले में धोनी को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 2007 में 45 और 36 रन बनाए थे। इसी के साथ ही सूर्यकुमार विराट कोहली के रिकॉर्ड को भी तोड़ने में कामयाब रहे और सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले क्रिकेटर बन गए। टी20आई में अपनी 56वीं पारी खेलते हुए सूर्यकुमार इस मुकाम तक पहुंचे। इनिंग के मामले में चाहे दोनों एक साथ हैं लेकिन मैचों की संख्या के मामले में वह (सूर्यकुमार 59वां मैच) पूर्व भारतीय कप्तान (कोहली 60वां मैच) से एक मैच आगे है।

सूर्यकुमार अक्टूबर 2022 में नंबर 1 रैंक वाले टी20आई बल्लेबाज बने और तब से इस पद पर कायम हैं। पिछले वर्ष 31 मैचों में 1164 रनों के साथ समाप्त करते हुए, सूर्या ने 2023 में भी अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखी। वह अब तक 17 मैचों में 45.53 के औसत और 153 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 592 रन बना चुके हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं।

रिंकू के सिक्सर ने तोड़ दी प्रेस-बॉक्स की खिड़की

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के युवा क्रिकेटर रिंकू सिंह ने दूसरे दक्षिण अफ्रीका-भारत टी20ई के अंतिम ओवर में एडेन मार्कराम पर लगातार दो छक्के मारे, जिसमें से दूसरे ने गकेबरहा में सेंट जॉर्ज पार्क की प्रेस-बॉक्स की खिड़की को तोड़ दिया। 3 मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20ई में 6 रन पर दो विकेट गिरने के बाद भारतीय पारी को कप्तान सूर्यकुमार यादव और रिंकू ने संभाला और अर्धशतक जड़े। रिंकू जब क्रीज पर आए तब स्कोर 55-3 था। भारत ने 9 गेंदों के अंतराल में सूर्यकुमार और जितेश शर्मा को खो दिया, लेकिन रिंकू ने अपने शॉट्स खेलना जारी रखा और अंततः 30 गेंदों पर अपना पहला टी20ई अर्धशतक पूरा किया।

आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बेहतरीन पारियां खेलने के बाद रिंकू सिंह टी20 इंटरनेशनल में भी चमक रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 मुकाबलों के सीरीज में भी वह छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए महत्वपूर्ण रन बनाने में सफल रहे थे।

मोहम्मद शमी अर्जुन पुरस्कार की दौड़ में, बीसीसीआई के विशेष अनुरोध पर सूची में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व कप 2023 में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद मोहम्मद शमी अर्जुन पुरस्कार के लिए दौड़ में हैं। विश्व कप 2023 में 24 विकेट लेने और सर्वाधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरने के बाद चयन समिति द्वारा इस वर्ष के प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार के लिए भारत के तेज गेंदबाज की सिफारिश की गई है।

सूत्रों के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खेल मंत्रालय से विशेष अनुरोध किया था क्योंकि पहले शमी का नाम सूची में मौजूद नहीं था। अर्जुन पुरस्कार दूसरा सबसे बड़ा खेल सम्मान है। 33 वर्षीय खिलाड़ी पूरे साल मेन इन ब्लू के लिए सनसनीखेज रहे। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने विश्व कप में अपना स्वर्णिम प्रदर्शन जारी रखा।

उनके अभियान का मुख्य आकर्षण वानखेड़े में श्रीलंका के खिलाफ 5/18 का शानदार प्रदर्शन था। 358 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले से ही दबाव में पहले पावरप्ले के अंत में शमी के आगमन ने श्रीलंका के लिए अंत का संकेत दे दिया। अपने पांच ओवरों में उन्होंने उनके मध्य और निचले क्रम को तोड़ दिया। ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका को ध्वस्त करने में सहायता करते हुए शमी ने 2/18 से शानदार गेंदबाजी की और न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी चमका दिया।

शमी टूर्नामेंट में अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, असाधारण रूप से प्रभावशाली थे, यह देखते हुए कि टूर्नामेंट शुरू होने पर उन्होंने टीम के लिए भी नहीं खेला था। अपनी टीम के पहले चार मैचों में चूकने के बाद शमी एक स्टार गेंदबाज के रूप में उभरे, उन्होंने सिर्फ 10.70 की औसत से 24 विकेट लिए। पुरुषों के खेल के इतिहास में केवल चार खिलाड़ियों - लसिथ मलिंगा (56), मिशेल स्टार्क (65), मुथैया मुरलीधरन (68), और ग्लेन मैक्ग्रा (71) ने एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप में शमी (55) से अधिक विकेट लिए हैं।

फाइनल में मिली हार से दुखी था, लेकिन फिर मैं तैयार हूं शिखर छूने : रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा को पता नहीं था कि विश्व कप फाइनल में मिली हार की निराशा से वह कभी उबर सकेंगे या नहीं। लेकिन प्रशंसकों के प्यार और समझदारी ने उन्हें फिर शिखर पर पहुंचने का प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है।

फाइनल तक रोहित के लिए बतौर बल्लेबाज और कप्तान विश्व कप का सफर शानदार रहा। लेकिन 19 नवंबर को फाइनल में आस्ट्रेलिया ने भारत को हराया। फाइनल की हार के बाद रोहित मैदान से निकले, तब उनकी आंखें भरी हुई थी। वह इस दर्द को भुलाने के लिए ब्रेक पर इंग्लैंड चले गए थे। रोहित ने लिखा, पहले कुछ दिन तब मुझे समझ ही नहीं आया कि इससे कैसे उबरूंगा।

मेरे परिवार और दोस्तों ने मेरा हौसला बनाये रखा। हार को पचाना आसान नहीं था लेकिन जिंदगी चलती रहती है और आगे बढ़ना आसान नहीं था।

बकौल रोहित, लोग मेरे पास आकर कहते थे कि उन्हें टीम पर गर्व है। मुझे बहुत अच्छा लगता था। उनके साथ मैं भी दर्द से उबरता गया। मैंने सोचा कि आप यही सुनना चाहते हैं। लोग जब समझते हैं कि खिलाड़ियों पर क्या बीत रही होगी और वे अपनी हताशा या गुस्सा नहीं निकालते हैं,तब यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। मेरे लिए इसके बहुत मायने हैं क्योंकि लोगों में गुस्सा नहीं था। जब भी मिले, उन्होंने प्यार ही बरसाया।

रोहित ने कहा, पूरे विश्व कप के दौरान हमें दर्शकों का जबर्दस्त समर्थन मिला। मैदान के भीतर भी और जो घरों में देख रहे थे, उनसे भी। मैं इसकी सराहना करता हूं। लेकिन जितना ज्यादा विश्व कप के बारे में सोचता हूं, दुख होता है कि हम जीत नहीं सके। मैं 50 ओवरों का विश्व कप देखकर बड़ा हुआ। मेरे लिए यह सबसे बड़ा इनाम है। 50 ओवरों का विश्व कप। हमने इसके लिए कितनी मेहनत की और नहीं जीत पाने पर निराशा होगी ही।

भारत के खिलाफ टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा

लंदन । इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ अगले माह होने वाली पांच टेस्ट की श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय टीम में चार विशेषज्ञ स्पिनरों को चुना है, जिसमें टॉम हर्टले और बशीर की स्पिन जोड़ी भी शामिल है, इस पदार्पण का इंतजार है। ऑफ स्पिनर हर्टले और बशीर दोनों इंग्लैंड लॉयस टीम का हिस्सा थे जिसने पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात में ट्रेनिंग की। समरसेट के लिए खेलने वाले 20 साल के बशीर ने साल 2023 जून में पदार्पण करने के बाद छह प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 10 विकेट चटकाए हैं। टीम में शामिल दो अन्य विशेषज्ञ स्पिनर जैक लीच और लेग स्पिनर रेहान अहमद हैं। लीच पीठ की चोट उबर गए हैं। पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट पदार्पण के दौरान पारी में पांच विकेट चटकाने वाले रेहान की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वहीं गस एटकिंसन को भी पहली बार टेस्ट टीम में चुना गया है। विश्व कप के बाद घुटने की सर्जरी कराने वाले बेन स्टोक्स टीम की अगुआई करने वाले हैं, लेकिन यह देखना होगा कि यह ऑलराउंडर गेंदबाजी करता है या नहीं। एशेज टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे विकेटकीपर बल्लेबाज बेन फोक्स की टीम में वापसी हुई है। अनुभवी जेम्स एंडरसन, ओली रोबिनसन, एटकिंसन और मार्क वुड टीम में चार शीर्ष तेज गेंदबाज हैं। पांच टेस्ट की श्रृंखला हैदराबाद में 25 जनवरी को शुरू होगी।

टीम - बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, जेम्स एंडरसन, जॉनी बेयरस्टो, शोएब बशीर, हैरी ब्रूक, जैक क्राउली, बेन डकेट, बेन फोक्स, टॉम हर्टले, जैक लीच, ओली पोप, ओली रोबिनसन, जो रूट और मार्क वुड।

टेस्ट श्रृंखला में अहम होगी कोहली की भूमिका : जैक कैलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान हरफनमौला जैक कैलिस ने कहा कि दो मैचों की आगामी टेस्ट श्रृंखला में विराट कोहली का फॉर्म और दक्षिण अफ्रीकी पिचों की जानकारी भारत की सफलता के लिए अहम साबित होगी। भारत को सेंचुरियन में 26 से 30 दिसंबर तक और केपटाउन में तीन से सात जनवरी तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट खेलने हैं जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगे। कैलिस ने कहा कि मुझे यकीन है कि वह दक्षिण अफ्रीका में शानदार प्रदर्शन करना चाहेगा। वह शानदार फॉर्म में है और भारत के लिए उसकी भूमिका अहम होगी। अगर उन्हें यहां जीतना है तो उसे अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गौरतलब है कि कोहली ने पिछले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में 30 पारियों में 932 रन बनाए। वह मौजूदा चक्र में एक शतक और एक अर्धशतक बना चुके हैं। वहीं वनडे विश्व कप में 765 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे।

कैलिस ने कहा कि वह बहुत बड़ा खिलाड़ी है। दक्षिण अफ्रीका में खेल चुका है और काफी कामयाब रहा है। वह अपना अनुभव दूसरे खिलाड़ियों के साथ बांट सकता है। गौरतलब है कि कोहली ने विदेश में लगाए गए 29 टेस्ट में से दो दक्षिण अफ्रीका में बनाए हैं। कैलिस ने कहा कि यह भारतीय टीम अच्छी है लेकिन दक्षिण अफ्रीका को

उसकी धरती पर हराना बेहद ही कठिन है।

2023 में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया गया ये युवा क्रिकेटर

नई दिल्ली । साल 2023 विदा होने को है। हर साल की तरह सर्च इंजन गूगल ने इस साल की रिपोर्ट भी जारी की है जिसमें बताया गया है कि मौजूदा वर्ष में किस क्रिकेटर को सबसे ज्यादा सर्च किया गया। गूगल की रिपोर्ट में क्रिकेटर्स में विराट कोहली या रोहित शर्मा की जगह युवा स्टार ने बाजी मारी है। इस साल सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले क्रिकेटर्स में टीम इंडिया के युवा ओपनर शुभमन गिल टॉप पर हैं। गिल के बाद आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 में बल्ले से तबाही मचाने वाले न्यूजीलैंड के युवा ऑलराउंडर रचिन रवींद्र का नंबर आता है। खेल की बात करें तब इस साल कई बड़े टूर्नामेंट आयोजित हुए जिसमें वनडे वर्ल्ड कप, एशिया कप, एशियम गेम्स और महिला आईपीएल शामिल है। इसके बावजूद इस साल विश्व कप से ज्यादा लोगों ने आईपीएल को सर्च किया है। इस साल भारत में सर्च किए गए टॉप 10 खिलाड़ियों में गिल टॉप पर रहे। गिल के लिए यह साल बेहतरीन रहा। उन्होंने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किए। गिल साल 2023 में वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर रहे। उन्होंने इस साल अपना पहला वनडे विश्व कप खेला। इस साल वनडे क्रिकेट में गिल के बल्ले से 41 छक्के निकले। मौजूदा साल में बतौर भारतीय वनडे में गिल सर्वाधिक छक्के जड़ने के मामले में रोहित शर्मा के बाद दूसरे नंबर पर रहे। रोहित ने इस साल वनडे में 67 छक्के उड़ाए।

श्रीसंत के साथ फिक्सर वाले विवाद के सवाल को टालते दिखे गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर श्रीसंत के साथ फिक्सर को लेकर हुए विवाद के सवाल को टालते दिखे। दरअसल गंभीर से हाल ही में एक रिपोर्टर ने इस घटना पर टिप्पणी करने के लिए कहा था। हालांकि, गंभीर इस मामले पर बोलने से बचते रहे। रिपोर्टर के सवाल पर गंभीर ने कहा, देखिए पहली बात तो मेरे पास इस चीज़ में बोलने के लिए ऐसा कुछ नहीं है। 42 वर्षीय गंभीर ने कहा कि वह युवा क्रिकेटरों को देखने के लिए एक महान कार्यक्रम में उपस्थित थे जो ईमानदारी के साथ अपने राज्य या राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। गौरतलब है कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट के हाल ही में संपन्न हुए इंडिया कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबले के दौरान मैदान पर पूर्व भारतीय टीम के खिलाड़ियों गौतम गंभीर और एस श्रीसंत के बीच तीखी बहस हो गई थी। विवाद के तुरंत बाद श्रीसंत ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने आरोप लगाया गया कि गंभीर ने उन्हें फिक्सर कहा था।

वहीं इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में स्पॉट फिक्सिंग में कथित संलिप्तता को लेकर बीसीसीआई की अनुशासनात्मक समिति ने श्रीसंत पर प्रतिबंध लगा दिया था। केरल के तेज गेंदबाज का सात साल का प्रतिबंध सितंबर 2020 में समाप्त हो गया। मीडिया से गौतम गंभीर ने कहा, मैं यहां पर एक नेक मकसद से आया हूं, उन युवा खिलाड़ियों को देखने आया हूं, उन युवा खिलाड़ियों को एक मंच देने आया हूं के जो वो अपना, अपने परिवार का, अपने राज्य का, अपने देश का नाम इमानदारी से रोशन कर सके। वो मेरे लिए बहुत जरूरी है। इस बीच पिछले महीने गंभीर छह सीजन के बाद केकेआर में लौटे लेकिन इस बार मेंटर की भूमिका में थे। सिटी ऑफ जॉय में लौटने से पहले उन्होंने पिछले कुछ सीजन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटर के रूप में काम किया था। मंगलवार 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली आईपीएल 2024 नीलामी के दौरान भी केकेआर कैंप में गंभीर के मौजूद रहने की उम्मीद है।

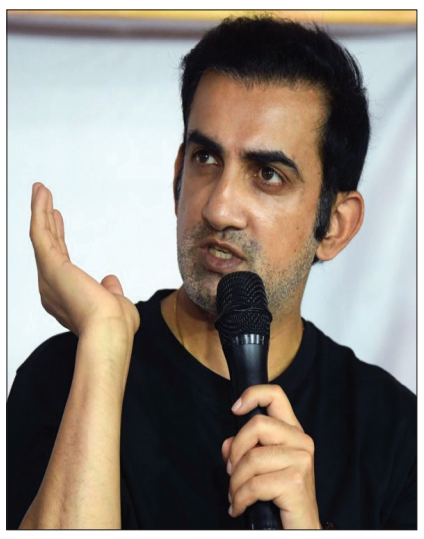

फीफा ने किया सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कारों के नामों का ऐलान

जिनेवा । इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर और सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर पुरस्कारों के नामों की घोषणा कर दी है। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में सर्वश्रेष्ठ फीफा फुटबॉल पुरस्कार 15 जनवरी 2024 को लंदन में आयोजित किए जाएंगे। इसमें ऑस्ट्रेलिया की मैकेंज़ी अर्नोल्ड, स्पेन की कैटालिना कोल और इंग्लैंड की मैरी अर्प्स सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला गोलकीपर पुरस्कार के लिए फाइनलिस्ट हैं, जबकि पुरुष पुरस्कारों के फाइनलिस्ट में मोरक्को के यासीन, बेल्जियम के थिबाउट कोर्टोइस और ब्राजील के एडर्सन के नाम शामिल हैं। फीफा जल्द ही सर्वश्रेष्ठ फीफा फुटबॉल पुरस्कार 2023 के लिए और अधिक फाइनलिस्टों की घोषणा करेगा। इन घोषणाओं में सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच, सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच, सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी के लिए नाम भी शामिल होंगे।

दक्षिण अफ्रीका वापस आने पर काफी उत्साहित हैं शेन बांड

पार्ल । पार्ल रॉयल्स के नव नियुक्त कोच शेन बांड दस साल बाद दक्षिण अफ्रीका वापस आने पर काफी उत्साहित उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि 10 जनवरी से शुरू हो रहे 'एसए20 लीग के दूसरे सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष स्टार जैसे डेविड मिलर, तबरेज शम्सी और लुंगी एनगिडी के साथ काम करने का अपना अलग ही मजा है। गौरतलब है कि एसए20 (दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग) के दूसरे सत्र का शुरूआती मैच सनराइजर्स ईस्टर्न केप और जोबर्ग सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा। कोच शेन बांड ने कहा, 'मैं 10 साल के बाद दक्षिण अफ्रीका वापस आ रहा हूं इसलिये मैं काफी उत्साहित हूं क्योंकि यह क्रिकेट खेलने के लिए वास्तव में काफी अच्छी जगह है। उन्होंने कहा कि मैं मिलर, एनगिडी और शम्सी के साथ काम करने के मौके को लेकर भी काफी उत्साहित हूं। दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट के प्रति जुनून और इसकी लोकप्रियता काफी अधिक है, विशेषकर सफेद गेंद के टूर्नामेंट जैसे एसए20 में। बता दें ?कि जोबर्ग सुपरकिंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग इसकी मुख्य फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स के भी मुख्य कोच हैं। उन्होंने कहा, 'हमने पिछले साल की अपनी कोर टीम बरकरार रखी है और टीम में नीलामी के जरिए कुछ अतिरिक्त युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। हम इस साल एक और प्रतिस्पर्धी अभियान के लिए तैयार हैं।

नए मुख्य कोच से सीखकर टेस्ट मानसिकता में ढलने को तैयार हो रही टीम

-भारतीय महिला टीम की उप कप्तान ने कोच अमोल मजूमदार के अनुभव पर जताया भरोसा

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि हमारी टीम लंबे समय के बाद टेस्ट मैच खेलने को तैयार है। उन्होंने मंगलवार को यहां कहा कि उनकी युवा टीम के साथी इंग्लैंड के खिलाफ लाल गेंद प्रारूप के इस मैच की मानसिकता में ढलने के लिए नए मुख्य कोच अमोल मजूमदार से सीखने की कोशिश कर रहे हैं। भारत ने दो साल पहले जून और सितंबर में क्रमशः इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में एक-एक टेस्ट खेला था। यह दोनों चार दिवसीय मुकाबले ड्रा रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की तुलना में इंग्लैंड को लाल गेंद से क्रिकेट खेलने का हालिया अनुभव ज्यादा है। टीम ने इस साल जून में महिला एशेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट खेला था। अपने एक दशक लंबे करियर में सिर्फ चार टेस्ट खेलने वाली मंधाना का कहना है कि गुरुवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय मुकाबले से पहले घरेलू क्रिकेट के पूर्व दिग्गज और कप्तान मजूमदार की उपस्थिति टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगी। मंधाना ने भारतीय टीम के अभ्यास सत्र से पहले कहा कि हमारे पास अमोल सर के रूप में एक अनुभवी कोच है। उन्हें रणजी ट्रॉफी में खेलने का आपार अनुभव है। वह चार दिवसीय मैच खेलने के आदी रहे है। उन्होंने कहा ?कि हमारी टीम में दो-तीन खिलाड़ियों को मिलाकर जितना अनुभव है उससे ज्यादा अनुभव उन्हें है। मैं देख सकती हूं कि टीम की कई खिलाड़ी उनसे मानसिकता के बारे में पूछ रही थी। भारतीय खिलाड़ी पिछले दो साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर होने के बावजूद टीम ने मजूमदार की देखरेख में अक्टूबर में चार दिवसीय मैच का अभ्यास किया था। बेंगलुरु में अभ्यास शिविर के दौरान टीम ने आपस में ही चार दिवसीय मैच खेला था।

जूनियर विश्व कप : सेमीफाइनल में भारत के सामने जर्मनी की मजबूत चुनौती

कुआलालंपुर (एजेंसी)। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम जूनियर पुरूष विश्व कप हॉकी सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को जर्मनी जैसी मजबूत टीम के सामने होगी तो उसका लक्ष्य जीत की लय को बरकरार रखते हुए चौथी बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश का होगा।

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज भारत ने चौथी रैंकिंग वाली नीदरलैंड टीम को क्वार्टर फाइनल में 4-3 से हराया। हाफटाइम तक दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए भारत ने जीत दर्ज की। कप्तान उत्तम सिंह ने आखिरी सीटी बजने से तीन मिनट पहले विजयी गोल दागा। उपकप्तान अराइजीत सिंह हुंडल ने मैच में दो गोल किए।

कप्तान उत्तम ने कहा, 'हमें दबाव में खेलने की आदत हो गई है। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल हो या जोहोर कप में कांस्य पदक का मुकाबला, हमने दबाव में ही खेलकर जीत दर्ज की है।' उन्होंने कहा, 'हमने इस पर काम किया है और इस कौशल को निखारा है। इस टीम के पांच खिलाड़ी पहले भी जूनियर विश्व कप खेल चुके हैं और यह अनुभव काम आ रहा है।'

पेनल्टी कॉर्नर देने की इस आदत से बचना होगा

भारत का मनोबल इसलिए भी बढ़ा है कि गोल गंवाने के बाद टीम ने वापसी की है। नीदरलैंड के खिलाफ शुरूआत में बैकफुट पर रहने के बाद उन्होंने आक्रामक खेल दिखाकर जीत दर्ज की। जर्मन टीम को हराना आसान नहीं होगा क्योंकि उसका डिफेंस बहुत मजबूत है। इसके अलावा वे तेजी से जवाबी हमले बोलने में माहिर हैं। डच टीम के खिलाफ रोहित ने आखिरी क्वार्टर में छह पेनल्टी कॉर्नर बचाकर भारत को जीत दिलाई। भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर देने की इस आदत से बचना होगा क्योंकि जर्मनी के खिलाफ यह भारी पड़ सकती है।

इस साल चार बार हुआ भार-जर्मनी का सामना

इस साल भारत का सामना जर्मनी से चार बार हुआ है और चारों बार उसे पराजय का सामना करना पड़ा। आखिरी बार जोहोर कप सेमीफाइनल में जर्मनी ने उसे 6-3 से हराया था। भुवनेश्वर में जूनियर विश्व कप 2021 में भी जर्मनी ने सेमीफाइनल में भारत को 4-2 से शिकस्त दी थी।

जर्मन टीम अपराजेय नहीं

भारतीय कोच सी आर कुमार ने कहा कि जर्मन टीम अपराजेय नहीं है। उन्होंने कहा, 'जर्मनी मजबूत टीम है और जोहोर कप में हमने उसके खिलाफ खेला है। उस समय टीम अलग थी और तरीका भी अलग। हमने विश्व कप में सभी टीमों का विश्लेषण किया है और पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे। जर्मन टीम अपराजेय नहीं है। हमें बस रणनीति पर अमल करना होगा।' दूसरे सेमीफाइनल में स्पेन का सामना फ्रांस से होगा।

तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ ऑस्ट्रेलिया में चमकेगा स्टीव स्मिथ का बल्ला

पर्थ । पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ ऑस्ट्रेलिया में स्टीव स्मिथ का बल्ला चमकने वाला है। यहां पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की एक बार फिर से वापसी हो रही है। बता दें कि स्टीव स्मिथ का टेस्ट औसत 58.61 रहा है। जो श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं। हालांकि उन्होंने अपने सामान्य मानकों से संख्या में गिरावट देखी है। इस बल्लेबाज ने 2020 से 48 का औसत बनाया है। इस साल केवल 43 का औसत रहा है। उन्होंने कंगारुओं के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेलना जारी रखा है। इनमें आईसीसी पुरुष विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 में भारत के खिलाफ ओवल में शानदार 121 रन और एशेज के दौरान लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण 110 रन शामिल हैं। इन दोनों शतकों के परिणामस्वरूप उनकी टीम को महत्वपूर्ण जीत मिली। स्मिथ ने पर्थ टेस्ट से पहले कहा कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है और उन्हें केवल अपनी प्रक्रियाओं का समर्थन करने की जरूरत है। क्रिकेट के जानकार बता रहे हैं कि स्मिथ के लिए क्रिकेट का यह वर्ष बेहद कठिन रहा है। उन्होंने 11 टेस्ट, 16 वनडे और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज का मानना था कि ऑस्ट्रेलिया के विजयी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 अभियान के बाद उन्हें मिले ब्रेक ने उन्हें तरोताजा कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बर्फबारी का मजा लूटना चाहते हैं तो, पटनीटॉप हैं आपके लिए पर्फेक्ट

पटनीटॉप-सनासर (जम्मू कश्मीर)। चारों ओर बिछी हुई बर्फ की सफेद चादर, देवदार तथा चीड़ के पेड़ों से गिरते बर्फ के टुकड़े सच में यहां आने वालों को नई दुनिया का आभास देते हैं। जिधर नजर दौड़ाएं, बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और उस पर दिखते हैं बर्फ के खेलों का आनंद उठाते हुए लोग, जो देश के विभिन्न भागों से आए थे। यह है पटनीटॉप का प्रसिद्ध और मनमोहक पर्यटन स्थल जहां सिर्फ गर्मियां ही नहीं बल्कि सर्दियां भी मनोहारी होती हैं।

जम्मू से 108 किमी दूर पटनीटॉप का रमणीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थल समुद्रतल से 6400 फुट की ऊंचाई पर है। लंबे लंबे चीड़ और देवदार के पेड़ हर उस शख्स को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं जो प्रकृतिप्रेमी हैं। साल भर इसकी खूबसूरत ढलानों पर जमी रहने वाली बर्फ भी पर्यटकों को अपनी ओर खींच लेने की शक्ति रखती है।

जम्मू पर्यटन विभाग पटनीटॉप में बर्फ के खेलों का मजा आने वाले पर्यटकों को देने के लिए अगले कुछ दिनों में 'स्कीइंग फैस्टिवल' आयोजित करने जा रहा है। जम्मू क्षेत्र में यह अपने किस्म का वार्षिक स्कीइंग फेस्टिवल होता है जिसमें पर्यटकों को स्कीइंग तो सिखाई ही जाती है और साथ ही पर्यटक बर्फ के खेलों का आनंद भी लूटते हैं।

जब कश्मीर में आतंकी घटनाओं ने देश-विदेश के पर्यटकों को गुलमर्ग के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल से मुख मोड़ने पर विवश किया तो उत्तर प्रदेश व हिमाचल प्रदेश के बर्फीले क्षेत्र बर्फ के खेलों के विकल्प के रूप में उभर कर सामने आए थे। अब जम्मू क्षेत्र के 'पहलगाम' के रूप में जाने जाना वाला पटनीटॉप नए और महत्वपूर्ण बर्फ के पर्यटन स्थल के रूप में पूरी तरह से उभर चुका है।

पहलगाम के उपरांत पटनीटॉप को स्कीइंग स्थल के रूप में ख्याति प्राप्त करवाने में पर्यटन विभाग के जम्मू विंग का अच्छा खासा सहयोग रहा है। विभाग की मेहनत ही है कि आज पटनीटॉप में स्कीइंग और पैराग्लाइडिंग करने वालों की भीड़ लगी रहती है। स्कीइंग के लिए तो पटनीटॉप की सबसे ऊंची पहाड़ी पर बनी छोटी और बड़ी स्लोपों के साथ ही पटनीटॉप के साथ लगते नथाटाप क्षेत्र को भी इस्तेमाल में लाया जा रहा है। जो आप ही खूबसूरती की एक मिसाल है। पर्यटन विभाग की ओर से अन्य स्लोपों की तलाश तथा उनका विकास किया जा रहा है ताकि स्कीइंग के लिए आने वालों की भीड़ से निपटा जा सके।

आने वाले सभी लोगों को बर्फ के खेलों का आनंद उठाने का अवसर उपलब्ध नहीं हो पाता क्योंकि स्कीइंग साल में सिर्फ सर्दियों के अढ़ाई महीनों में ही होती है। हिमाचल में यह सिर्फ दो महीने होती है पर पटनीटॉप व नत्थाटाप में यह कभी-कभी 3 महीनों तक होती रहती है क्योंकि बर्फ पिघलती नहीं है।

ऐसा भी नहीं है कि स्कीइंग न कर पाने वालों को पटनीटॉप आकर निराश होना पड़ता हो बल्कि कई बार लोग बर्फ पर फिसलने वाली लकड़ी की स्लेज का मजा लूटते हैं। कुछ लोग बर्फ के पुतले बना बर्फ के अन्य खेलों में लिप्त होते हैं। यह सब कुछ साल के सिर्फ अढ़ाई महीनों के दौरान ही इसलिए होता है क्योंकि बर्फ इसी दौरान रहती है और गर्मियों में पटनीटॉप आने वाले इन नजारों तथा अनुभवों से वंचित रहते हैं।

गर्मियों में आने वालों को निराशा होती हो ऐसा भी नहीं है क्योंकि गर्मियों में पटनीटॉप आने का अपना ही अलग लुत्फ है जो कश्मीर के मुकाबले का है। ऐसा इसलिए है क्योंकि समुद्रतल से जितनी ऊंचाई पर पटनीटॉप स्थित है उससे कम ऊंचाई पर श्रीनगर शहर है।

कश्मीर का मुकाबला करने वाले इस अनछुए पर्यटनस्थल पटनीटॉप में बर्फ के खेलों का एक रोचक पहलू यह है कि इसका आनंद उठाने वालों में अधिकतर वे लोग हैं जो पटनीटॉप से करीब अढ़ाई घंटों की यात्रा की दूरी पर स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल माता वैष्णो देवी की गुफा के दर्शनार्थ आते हैं। आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार पटनीटॉप आने वाले पर्यटकों में 80 प्रतिशत वैष्णो देवी के तीर्थयात्री ही हैं।

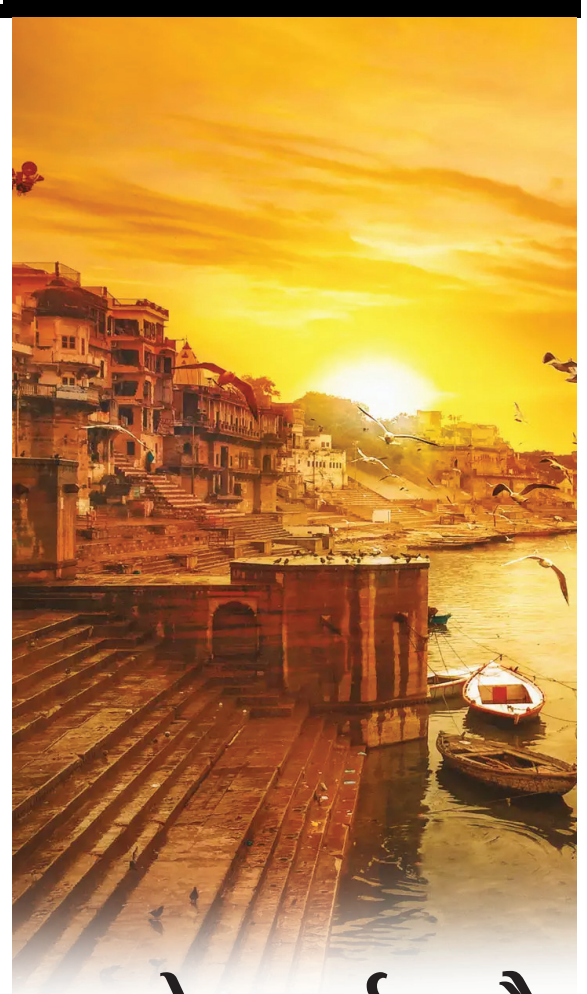

सबसे आकर्षक और बेहद खूबसूरत होती हैं इन जगहों की शाम

सुबह और शाम दिन के दो ऐसे प्रहर होते हैं, जब हमें जिंदगी के प्रति एक अलग सा लगाव महसूस होता है। हम में से कई लोग अपनी शाम पहाड़ो के बीच तो कोई नदी किनारे बीताना पसंद करता हैं। हममें से ज्यादातर लोग इन पलों को सुकून से प्रकृति के बीच महसूस करना चाहते हैं। आइए, आज उन चुनिंदा जगहों के बारे में जानते हैं, जहां की शाम बेइंतहा खूबसूरत होती है। हैं कुछ ऐसी जगहों के बारे में जहां पर आप अपनी शाम बीता सकते हैं और वाकइ में इन जगहों की शाम का नाज़ारा काफी सुंदर और देखने लायक होता हैं। तो आई जानते हैं इन जगहों के बारे में -

बनारस - वाराणसी शहर में लोग आध्यात्मिक उपचार की तलाश में आते हैं और गंगा यहां सबसे सुंदर अनुभव प्रदान करती है। गंगा नदी के किनारे बैठे उगते सूरज का नजारा आपको गदगद कर देगा। अगर आप सुबह जल्दी उठ सकते हैं तो नाव की सवारी भी कर सकते हैं। वैसे वाराणसी को महाकाल की नगरी भी कहा जाता है। यहां विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर स्थित है।

राधानगर बीच, अंडमान - अंडमान में स्थित हैवलॉक द्वीप की शाम बहुत ही खूबसूरत होती है। यह सनसेट प्वाइंट प्राकृतिक सौंदर्य के कारण दुनियाभर में लोकप्रिय है। हैवलॉक द्वीप हनीमून के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। पूरे एशिया में सबसे बेस्ट सनसेट प्वाइंट माना जाता है। यहां पर जाने का सही समय अक्टूबर से अप्रेल के बीच का हैं।

टाइगर हिल - यह सूर्योदय देखने के लिए सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। दार्जिलिंग आने वाले पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण रहता है। टाइगर हिल राजसी माउंट कंचनजंगा, और प्रतिष्ठित माउंट एवरेस्ट के मनोहारी दृश्य भी दिखाती है। अपनी शाम को यादगार बनाने के लिए यहां से अच्छी जगह और कोई नहीं हैं। दार्जलिंग जाने वाले पर्यटकों के लिए यह एक बहुत बड़ा आकर्षण हैं।

नंदी हिल्स - यहां पर आप वादियों के बीच लाल रंग के आसमान का लुत्फ उठा सकते हैं। अगर आपको एकांत पसंद करने वाले व्यक्ति हैं तो यह जगह आपके लिए एकदम सही हैं। अगर आप यहां जाना चाहते हैं तो आप उसके लिए अक्टूबर से जून में जा सकते हैं।

उमियम लेक - भारत के उत्तर पूर्व में स्थित यह झील सबसे शानदार स्थानों में से एक है। यह शिलांग से लगभग 15 किमी दूर स्थित है। जैसे ही सूरज उगता है और पहली किरणें झील के पानी को छूती हैं, आपको एहसास होगा कि आप किसी और दुनिया में आ गए हों।

नए साल पर इन जगहों पर घूमें, बजट भी नहीं बिगड़ेगा

नए साल का स्वागत करने के लिए अधिकतर लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। लेकिन साथ ही उनके मन में यह भी होता है कि नए साल का स्वागत करने के चक्कर में कहीं उनका बजट ना बिगड़ जाए। कई बार तो लोग इस वजह से अपने घूमने का प्लान भी कैंसिल कर देते हैं। अगर आपको भी लगता है कि नए साल में घूमने पर आपका बजट बिगड़ जाएगा तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको ऐसी कुछ जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां आप बजट में रहते हुए नए साल का स्वागत कर सकते हैं...

गोवा

नए साल पर घूमने की बात हो और गोवा का नाम ना आए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। वैसे तो आप गोवा कभी भी घूमने जा सकते हैं, लेकिन नए साल का जश्न गोवा में एक बेहद ही अलग तरह से मनाया जाता है। अगर आप यहां गए हैं तो बोहेमियन बीच पार्टी से लेकर नाइट क्लब इवेंट्स में जाएं। दिसंबर के आखिरी दिनों में गोवा में पार्टी का दौर चालू रहता है, ऐसे में आप यहां जमकर मस्ती कर सकते हैं। अगर आप गोवा में न्यू ईयर सेलिब्रेशन करने का मन बना रहे हैं, तो टीटो क्लब, मैम्बो कैफे व बोट क्रूज पार्टी को एन्जॉय करें। अगर आप पहले से ही पैकेज बुक करवाते हैं तो आपको हर व्यक्ति का लगभग पांच से सात हजार रूपए खर्च आएगा।

ऊटी

अगर आप शोर-शराबे से दूर एक शांत जगह पर रहकर नए साल का स्वागत करना चाहते हैं तो आपको ऊटी जाना चाहिए। आप यहां पर आकर टी फैक्टी और म्यूजियम, बोटिंग, बोटेनिकल गार्डन में जाएं। साथ ही नए साल की फील लेने के लिए आप सड़कों पर निकल जाएं। वहां पर आतिशबाजी का माहौल देखकर आपके मन को यकीनन काफी अच्छा लगेगा। अगर आप यहां जा रहे हैं तो आपका खर्च सात से आठ हजार रूपए प्रति व्यक्ति आएगा।

पांडिचेरी

समुद्र तटों पर बाइक चलाने से लेकर छत पर बने कैफे में घूमने तक पॉन्डिचेरी आपको नए साल में एक अलग ही अनुभव महसूस कराएगा। खासतौर से, अगर आपका बजट काफी कम है और आप किसी बेहतरीन जगह पर घूमना चाहते हैं तो पांडिचेरी यकीनन आपकी जरूरत को पूरा करेगा। अगर आप वहां जा रहे हैं तो श्री अरबिंदो आश्रम, प्रोमेनेड बीच, हेरिटेज वॉक, विइट फ्रेंच कॉलोनी जाएं। यहां पर आपका प्रति व्यक्ति खर्च लगभग चार से पांच हजार आएगा।

आप भी हैं कैंपिंग के शौकीन तो जरूर जाएं इन बेहतरीन जगहों पर

क्या आपको हैं कैंपिंग करने का शौक और आप खोज रहे हैं कोई ऐसी जगह जगहां पर आप आराम से और शांत वातावरण में कैंपिंग कर पाएं तो आज हम आपके लिए लाएं है कुछ ऐसी जगहों के बारे में जहां पर आप आराम से और शांत वातावरण में कैंपिंग कर सकते हैं। नेशनल पार्क से प्राइवेट ग्राउंड तक यह हैं कुछ बहुत ही बेहतर जगह कैंपिंग करने के लिए। तो आईए जानते हैं इन जगहों के बारे में -

अलास्का-यह सबसे मशहूर और सबसे बेहतरीन कैंपिंग ग्राउंड्स में से एक हैं। यह जगह अलास्का के कूपर लैंडिंग में स्थित हैं। यह तीन कैंपसाइट लूप प्रदान करता है, जिनमें से एक झील पर है। यह वन्यजीवों के अवलोकन के लिए एक आदर्श स्थल है, जिसमें लायनक्स, भालू, गिलहरी और लॉन शामिल हैं। यहां पर जाने का सही समय मई से सितंबर का हैं।

अरिज़ोना-ग्रैंड कैन्यन-यह एक ऐसी कैंपिंग साइट हैं जो कि यहां के पर्यटकों के बीच काफी मशहूर हैं। यहां पर हर साल कई पर्यटक कैंपिंग करने आते हैं। रात के समय यहां का नज़ारा देखने लायक होता हैं। अगर आप यहां पर कैंपिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मार्च से मई और सितंबर से नवंबर आपके लिए एकदम सही समय हैं।

अर्कांसस-पेटिट जीन स्टेट पार्क-यह पार्क अर्कांसस का पहला स्टेट पार्क हैं। यह जगह अपने पर्यटकों के 125 कैंपिंग साइट्स प्रदान करती हैं। यह जगह परिवार के साथ जाने के लिए काफी अच्छी हैं। यहां पर आपको मछली पकड़ना, स्विमिंग पूल, प्लेगाउंड, टेनिस और बास्केटबॉल कोर्ट और वॉटर स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियां उपलब्ध कराई जाती हैं। यहां पर और भी कई खूबसूरत जगह भी हैं। यहां पर जाने का सही समय अक्टूबर से नवंबर क बीच का हैं।

कैलिफोर्निया-योसेमाइट नेशनल पार्क-वैसे तो कैलिफोर्निया में घूमने के लिए कई सारे नेशनल पार्क्सहैं लेकिन यह पार्क कैलिफोर्निया का सबसे मशहूर पीर्क हैं। बता दें कि इस पार्क को यूनेस्कों की सूची में भी शामिल किया गया हैं। यहां पर आपकोसिकोइया के पेड़ और झरनों क बीच अपना समय बीताने का मौका मिलेगा। आपको यहां पर कैंपिंग करने के लिए पहले से ही रिसर्वेशन करना हेगा। अगर आप यहां पर कैंपिंग करने जाना चाहते हैं तो आपको मई से अक्टूबर और नवंबर से दिसंबर क बीच जाना चाहिए।

मिनेसोटा-स्प्लिट रॉक लाइटहाउस स्टेट पार्क-यहां पर आपको काफी सारे पर्यटक मिल जाएंगे यह कैंपिंग करने वाले पर्यटकों के लिए एक बहुत ही पसंदीदा स्थल हैं। इसलिए अगर आप यहां पर कैंपिंग के लिए जाना चाहते हैं तो आप अपने लिए पहले से ही रिसर्वेशन कर लें। यहां कई पर्यटक कैंपिंग के साथ साथ हाइकिंग और फिशिंग भी करने आते हैं। यहां पर जाने का सही समय जून से अगस्त के बीच का हैं।

फिदायीन हमले में मरने वाले जवानों की संख्या 23 हुई

करांची । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान मिलिट्री बेस पर सोमवार देर रात हुए फिदायीन हमले में 23 सैनिकों की मौत हो गई। पाकिस्तान सूत्रों के मुताबिक 11 दिसंबर को देर रात 2:30 बजे आतंकियों ने हमला किया इसमें 23 सैनिकों की मौत हो गई। रात हुए इस हमले में कई सैनिक नींद में ही मारे गए। सेना ने शुरुआत में आतंकियों की मिलिट्री पोस्ट में घुसने की कोशिश को नाकाम कर दिया। इसके बाद आतंकी विस्फोटकों से भरी गाड़ी लेकर मिलिट्री पोस्ट में घुस गए। आत्मघाती हमले में मिलिट्री पोस्ट की इमारत ढह गई। पाक सेना ने सभी 6 आतंकियों को मार गिराया है। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) ने ली है। उधर पाकिस्तानी सेना के डेरा इस्माइल खान और कुलाची इलाके के पास चलाए गये दो अलग-अलग अभियान में 21 आतंकी मारे गए जबकि 2 सैनिक शहीद हो गये। इससे पहले पाकिस्तान में 4 नवंबर को मियांवाली एयरबेस में हथियारों से लैस आत्मघाती हमलावर एयरफोर्स के ट्रेनिंग बेस में घुस गए थे। पाकिस्तानी एयरफोर्स ने सभी 9 आतंकियों को मार गिराया था। मुठभेड़ के दौरान एक फ्यूल टैंकर और 3 एयरक्राफ्ट तबाह हो गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक तहरीक-ए- जिहाद पाकिस्तान ने हमले की जिम्मेदारी ली थी।

रिट्रीवर डॉग देख राष्ट्रपति जेवियर ने रोका काफिला

ब्यूनस आयर्स । राष्ट्रपति पद की शपथ लेकर घर लौट रहे अर्जेंटीना के नवनियुक्त राष्ट्रपति जेवियर मिलई ने एक कुत्ते को देखकर अपना काफिला रोक दिया। उन्होंने बीच सड़क पर गोल्डन रिट्रीवर डॉग को हेलो किया और उसके शरीर पर हाथ फेरा।जेवियर डॉग लवर है, वो उन्हें चार पंजे वाला बेबी कहते हैं। राष्ट्रपति जेवियर मिलई का यह वीडियो अब वायरल हो रहा है।

संसद में इजरायल को कोस रहे तुर्किए के सांसद को आया हार्ट अटैक

तेल अवीव । इजरायल को कोस रहे तुर्किए के सांसद को भरी सभा में हार्ट अटैक आ गया। रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की के सांसद हसन बिटमेज तुर्की ग्रैंड नेशनल असेंबली में इजराइल-हमास युद्ध के संबंध में तुर्की के कार्यों की आलोचना करते हुए भाषण देते समय गिर पड़े। यह संसदीय सत्र के दौरान हुआ और उनके गिरने का सीधा प्रसारण देखने को मिला। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बिटमेज मधुमेह से पीड़ित हैं। उन्हें गिरने के बाद अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत गंभीर है। बिटमेट ने इजरायल-हमास युद्ध पर तुर्की की प्रतिक्रिया की आलोचना कर कहा कि भले ही इतिहास चुप रहे, लेकिन सच्चाई चुप नहीं रहेगी। भले ही आप यातना से बच जाएं। इतिहास के अनुसार, तुम परमेश्वर के क्रोध से बच नहीं सकते है। उनके गिरने के बाद, सांसदों में से चिकित्सा पेशेवर तुरंत उनकी सहायता के के लिए आगे आए, और आपातकालीन सेवाएं आने तक प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने सूचित किया कि बिटमेज अपने भाषण के दौरान परेशान हो गए थे और आश्वासन दिया कि चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी।

700 साबुन की बट्टीयों से खिसकाई 220 टन की बहुमंजिला इमारत

ओटावा ।कनाडा में 220 टन की बहु मंजिला इमारत को साबुन की 700 बट्टीयों के सहारे खिसखाने में इंजीनियरों को सहायता मिली है। कनाडा के नोवा स्कोटिया में इंजीनियरों एवं कारीगरों ने साबुन की 700 बट्टीयों का इस्तेमाल किया। रियल स्टेट की 197 साल पुरानी इमारत को डहाने से बचा लिया गया इमारत के संरक्षण और पुनर्स्थापना की दिशा में यह एक बड़ी सफलता मानी जा रहा है। जो इमारत खिसकाई गई है, वह 1826 में निर्मित हुई थी। बाद में इसे एक होटल के रूप में बदल दिया गया था। जर्ज़र हालत में भवन पहुंच जाने के कारण इसको गिराने के आदेश हुए थे। जिसने यह कंपनी खरीदी थी। उसने इमारत को शिफ्ट करने की योजना बनाई। वह बिल्डिंग को शिफ्ट करने में सफल हुआ।

इज्रायल-हमास संघर्ष : गाजा में 18,400 फिलीस्तीनियों की मौत

गाजा। हमास-इज्रायल के संघर्ष में फिलिस्तीन क्षेत्र में मृतकों की संख्या 18,400 से अधिक हो गई है। गाजा पट्टी में स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस तथ्य की पु?ष्टि करते हुए बताया है ?कि मंगलवार तक गाजा पर इजरायली सैन्य हमलों में कुल 18,412 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 50,100 अन्य घायल हुए हैं। सूत्रों ने पिछले घंटों के दौरान, 207 फिलिस्तीनियों के शवों को गाजा पट्टी के अस्पतालों में स्थानांतरित किया, जबकि इजरायली छापे में 450 अन्य घायल हो गए थे। दक्षिणी इज़रायल पर हमास के अचानक हमले के जवाब में इज्रायल 7 अक्टूबर से गाजा में लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है। हमास के हमले में इजरायली क्षेत्र में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। नवंबर के अंत में हमास द्वारा इजरायली जेलों से 240 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में 105 इजरायली बंधकों को मुक्त करने के लिए 10 दिवसीय युद्धविराम लागू किया गया था।

जलवायु वैश्विक परिवर्तन पर नहीं बनी आम राय

दुबई । जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक वार्ता में एक बार फिर कोई निर्णय नहीं हो पाया। बैठक के अंतिम दिन तक वार्ताकारों में कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। बैठक में फ़ासिल फ्यूल जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से चलन से बाहर करने का कोई जिक्र नहीं किया गया है। कॉप 28 के महानिदेशक मजीद अल-सुवेदी के अनुसार जो पहले कभी नहीं हुआ,इसका एक हिस्सा है। प्रस्ताव के मसौदे में जीवाश्म ईंधन को शामिल करना है। कॉप वार्ता के मसौदे में पहली बार फॉसिल फ्यूल शब्द का इस्तेमाल किया गया है। इसका उपयोग कम करने की बात कही गई है। चरणबद्ध तरीके से इसके उपयोग में कटौती करने की बात कही गई थी। बैठक में जीवाश्म ईंधन कोयला, तेल और गैस के उपयोग को चलन से बाहर करने इसका प्रस्ताव था।

एआई ऐप्स और वेबसाइट का हो रहा गलत इस्तेमाल

- महिलाओं की फोटो से कपड़े उतार रहीं हैं ऐप्स

सैन फ्रांसिस्कों । हालिया रिसर्च में एआई ऐप्स और वेबसाइटों के इस्तेमाल से जुड़े एक नए तरह के अपराध के बारे में बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रिसर्चर्स और प्राइवेसी एक्सपर्ट्स इस बात से चिंतित हैं कि लोग एआई ऐप्स और वेबसाइट का इस्तेमाल महिलाओं की तस्वीरों में छेड़छाड़ करके डिजिटली उनके कपड़े उतारने के लिए कर रहे हैं। इन आपत्तिजनक ऐप्स का इस्तेमाल काफी तेजी से बढ़ रहा है। सोशल नेटवर्क विश्लेषण कंपनी ग्राफिका की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि अकेले सितंबर महीने में लगभग 24 मिलियन यानी करीब ढाई करोड़ लोगों ने इन कपड़े उतारने वाले एआई टूल का इस्तेमाल किया है। इस रिपोर्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रगति के कारण गैर-सहमति वाली अश्लीलता में वृद्धि पर चिंता जताई है। ग्राफिका के मुताबिक, इनमें से कई कपड़े उतारने या 'न्यूड करने' वाली सर्विसेज अपनी मार्केटिंग के लिए पॉपुलर सोशल नेटवर्क का उपयोग करती हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस साल की शुरुआत से, एक्स और रेडिट सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनड्रेसिंग ऐप्स का विज्ञापन करने वाले लिंक की संख्या 2,400 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई है। ये सर्विसेज़ किसी फोटो को फिर से बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल करती हैं, जिससे फोटो में मौजूद व्यक्ति को न्यूड कर दिया जाए। इसमें कई सर्विसेज़ ऐसी हैं जो कि सिर्फ महिलाओं पर काम करती हैं। बता दें कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस काफी तेजी से पॉपुलर हो रहा है। कई एआई टूल्स तो लॉन्च के बाद से ही काफी चर्चा में हैं। इसके आने से लोगों के कई काम काफी आसान हो गए हैं। एआई से लोग नई भाषाएं सीख रहे हैं, वीडियो एडिटिंग के बारे में जान रहे हैं, नई-नई फोटो क्रिएट कर पा रहे हैं। इससे न सिर्फ स्टूडेंट्स और आम लोगों को, बल्कि बड़ी कंपनियों को भी मदद मिल रही है।

ब्रातिस्लावा, स्लोवाकिया में प्रदर्शनकारियों ने एक विशेष अभियोजक के कार्यालय को ख़त्म करने की सरकार की योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। साइन पर लिखा है स्लोवाकिया आपसे शर्मिंदा है।

हमास के खिलाफ चल रही जंग को लेकर अमेरिका ने इजराइल को चेताया

वॉशिंगटन। अमेरिका कब किसके साथ हो जाए और कब किसका साथ छोड़ दे कोई नहीं जानता। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग में कुछ ऐसी ही भूमिका देखी गई। कभी गाजा के नागरिकों के बहाने अप्रत्यक्ष तौर पर हमास के साथ दिखा तो कभी इजराइल के हौसले बढ़ाने के लगातार प्रयास करता रहा। अब एक बार फिर अमेरिका ने इजरायल को चेताते हुए संदेश दिया है कि उसके इजरायल से बहुत अच्छे संबंध नहीं है ये बात उस समय सामने आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने इजरायली पीएम नेतन्याहू के साथ अपने संबंधों की ओर इशारा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एक मुश्किल स्थिति में हैं और दोनों के बीच वर्तमान में मतभेद हैं। यहूदी हनुक्का उत्सव के लिए व्हाइट हाउस के एक स्वागत समारोह में बोलते हुए बाइडेन ने नेतन्याहू के साथ अपने दशकों पुराने संबंधों को याद किया। उन्होंने नोट किया कि उन्होंने इजराइली नेता के उपनाम का उपयोग करते हुए कहा कि मैं तुम्हारी एक बड़ी बात से सहमत नहीं हूं जो तुम्हें कहना पड़े। बाइडेन ने बड़े पैमाने पर यहूदी दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा कि आज भी लगभग वैसा ही है। उन्होंने कहा कि इज़राइल एक मुश्किल स्थिति में है और कुछ इजराइली नेतृत्व के साथ मेरे मतभेद हैं। उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि दोनों व्यक्तियों के बीच क्या मतभेद हैं, हालांकि हाल के हफ्तों में उन्होंने हमास के खिलाफ मौजूदा युद्ध और फिलिस्तीनियों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दों को शामिल किया है। इजराइली आंकड़ों के अनुसार, हमास के 7 अक्टूबर के सीमा पार हमले के प्रति इजराइल की प्रतिक्रिया के समर्थन के लिए बाइडेन को तीव्र आलोचना का सामना करना पड़ा है, जब आतंकवादियों ने 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 240 लोगों को बंधक बना लिया था। अब तक लगभग 100 बंधकों को मुक्त कराया जा चुका है।

गाजा में सीजफायर पर यूएन ने किया प्रस्ताव पास, भारत ने दिया समर्थन

-नेतन्याहू जंग बंद करने के पक्ष में नहीं, कहा-कुर्बानियों का लेंगे बदला

तेल अवीव (एजेंसी)। यूनाइटेड नेशन्स जनरल असेंबली में मंगलवार देर रात को गाजा में सीजफायर पर प्रस्ताव पारित हो गया। भारत ने इसके पक्ष में वोट किया। प्राप्त समाचार के मुताबिक 193 सदस्यीय यूएन में यूएई, सऊदी अरब समेत 153 देशों ने सीजफायर के पक्ष में वोट किया। अमेरिका, इजराइल समेत 10 देशों ने युद्धविराम के खिलाफ वोट किया। जबकि 23 देश वोटिंग में शामिल ही नहीं हुए। इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को चेतावनी दी। बाइडेन ने कहा कि गाजा में लगातार हमले करने की वजह से इजराइल ग्लोबल सपोर्ट खो रहा है। उन्हें जंग में रुख बदलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया तो इसका असर आने वाले समय में ठीक नहीं होगा। इस बीच नेतन्याहू ने माना की उनके अमेरिका से कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं। दरअसल, अमेरिका इजराइल पर गाजा में आम लोगों को बचाने के लिए सख्त कदम उठाने दबाव डाल रहा है। हालांकि, इजराइल इसके खिलाफ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने मंगलवार रात एक वीडियो स्टेटमेंट जारी किया। इसमें कहा कि हम जंग कैसे

खत्म कर दें। हमारे नागरिकों और सैनिकों ने बेशुमार कुर्बानियां दी हैं। उन लोगों को खत्म किया जाएगा जिन्होंने हैवानियत दिखाई है।

नेतन्याहू ने कहा कि 1990 के दशक में हमने ओस्लो अकॉर्ड के रूप में एक गलती की थी। एक समझौता किया था। अब हम इसे दोहराना नहीं चाहते। अमेरिका से कुछ मुद्दों पर सहमति नहीं है। इसके बावजूद हम मदद के लिए उनके शुक्रगुजार हैं। उन्होंने कहा कि हमने ग्राउंड ऑपरेशन का फैसला काफी विचार के बाद किया था और अब यह तभी खत्म होगा जब हमास का खात्मा कर दिया जाएगा। बंधकों की रिहाई पर कुछ चीजें चल रही हैं। सही वक्त पर ये बताई जाएंगी। अमेरिका और इजराइल के मतभेदों के बीच खबर है कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन जल्द ही इजराइल दौरे पर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि ऑस्टिन बंधकों की रिहाई और सीजफायर पर प्रेसिडेंट जो बाइडेन का कोई मैसेज नेतन्याहू को दे सकते हैं।

हालांकि कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक- इजराइली डिफेंस मिनिस्टर योव गैलेंट के न्योते पर ऑस्टिन तेल अवीव आ रहे हैं। ऑस्टिन का यह दौरा इसलिए भी खास है, क्योंकि अमेरिका इजराइल पर यह दबाव डाल रहा है कि वो गाजा में आम लोगों को बचाने के लिए सख्त कदम उठाए। हालांकि, इजराइल का यह कहना है कि आम नागरिकों की ओट लेकर हमास आतंकी हमले कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्टिन किसी भी सूरत में इजराइल से सीजफायर के लिए नहीं कहेंगे। उनका पूरा फोकस इस बात पर होगा कि इजराइली सरकार और सेना गाजा में आम लोगों के लिए राहत के रास्ते खोले।

ऋषि सुनक को लेकर सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े, 70प्र. लोगों की ये है राय

लंदन (एजेंसी)। YouGov द्वारा प्रकाशित एक सर्वेक्षण के अनुसार, ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक अब तक की सबसे खराब रेटिंग पर खिसक गए हैं। उनकी सरकार को रवांडा नीति विवाद का सामना करना पड़ रहा है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोगों की राय प्रधानमंत्री के प्रति प्रतिकूल है जबकि 21 प्रतिशत की राय अनुकूल है। इसका मतलब यह है कि ऋषि सुनक की नेट अनुकूलता रेटिंग माइनस 49 पर है जो नवंबर के अंत से 10 अंक कम है और पिछले साल अक्टूबर में पीएम बनने के बाद से उनका सबसे कम स्कोर है।

सर्वेक्षण के अनुसार 2019 टोरी मतदाताओं में से अधिकांश 56 प्रतिशत ने कहा कि उनका सुनक के बारे में नकारात्मक विचार था, जबकि 40 प्रतिशत का दृष्टिकोण सकारात्मक था। यह स्कोर बोरिस जॉनसन के कार्यकाल के अंतिम महीनों के स्कोर के बराबर है, लेकिन यह अभी भी लिज़ ट्रस से अधिक था। यह तब आता है जब ऋषि सुनक को अपनी कंजर्वेटिव पार्टी की छवि को बहाल करने की कोशिश में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस बीच, सर्वेक्षण के अनुसार विपक्षी लेबर पार्टी आगे चल रही है।

ऋषि सनक की पार्टी को एक आंतरिक विवाद का सामना करना पड़ रहा है जिसने शरण चाहने वालों को रवांडा में निर्वासित करने के लिए प्रधान मंत्री की हस्ताक्षर नीति को रद्द करने की धमकी दी है। टोरी सांसद फिलिप डेविस ने कहा कि पार्टी अवैध आप्रवासन को रोकने की अपनी इच्छा में 'पूरी तरह से एकजुट' है, उन्होंने कहा, 'हम सभी इस विचार में एकजुट हैं कि हम अवैध आप्रवासन को रोकना चाहते हैं, और यह भी कि हम सोचते हैं कि उन्हें रवांडा भेजा जाए, तीसरा देश वास्तव में सही समाधान है।

महादेव ऐप के मालिक उप्पल को दुबई पुलिस ने हिरासत में लिया

दुबई (एजेंसी)। सट्टेबाजी के लिए फेमस हुए महादेव ऐप के मालिक रवि उप्पल पर कानूनी शिकंजा कस दिया है। रवि को दुबई पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उसे जल्द भारत लाया जाएगा। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के लिए सिरदर्द बने इस ऐप ने राज्य की समूची राजनीति में हलचल मचा दी थी। कई दिग्गज नेताओं के नाम सामने आने के बाद मुख्य आरोपी रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर फरार चल थे। रवि उप्पल के अलावा 2 अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लिया गया है । रवि उप्पल के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी था। भारतीय जांच एजेंसियां दुबई सुरक्षा एजेंसी के संपर्क में हैं। रवि उप्पल महादेव ऐप के मुख्य आरोपियों में से एक है। उसे गिरफ्तार कर जल्द ही डिपोर्ट किया जाएगा। आरोपी सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। वह महादेव ऐप का दूसरा प्रमोटर है। इन दोनों ने एक बयान में महादेव ऐप और सट्टेबाजी घोटाले में शामिल होने से इनकार किया है। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी शुभम सोनी पर डाल दी। ईडी ने यूएई में भारतीय दूतावास से शुभम सोनी का बयान लिया है।

ये मामला छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में मुद्दा भी बना था। कांग्रेस और बीजेपी इस पर आमने-सामने थीं। छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था कि इसकी जांच 2 साल से चल रही है। जब तक ऑनलाइन सट्टेबाजी पर रोक नहीं लगेगी, कुछ नहीं रुकेगा। ऑनलाइन सट्टेबाजी करने वालों के लाखों फर्जी अकाउंट हैं। केंद्र सरकार को इनकी पहचान कर इन्हें बंद करना चाहिए। वहीं, रैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने विश्वासघात के अलावा कुछ नहीं दिया। कांग्रेस ने महादेव के नाम पर भी घोटाला किया है। आज देश विदेश में महादेव घोटाले की चर्चा हो रही है। बीते दिनों में मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। मामला आधिकारिक तौर पर सेंट्रल साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। जांच के लिए 5 सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। बता दें कि दुबई में बैठे प्रमोटर्स पर 60 से ज्यादा अवैध ऑनलाइन बेटिंग ऐप के जरिए घोटाले को अंजाम देने का आरोप है। ईडी ने दावा किया कि ये तकरीबन 6 हजार करोड़ का घोटाला है। इस मामले में ईडी ने 14 लोगों को आरोपी बनाया है।

4 केसों में फंसे इज्राइली पीएम नेतन्याहू की बढ़ीं मुश्किलें

तेल अवीव (एजेंसी)। रिश्वत के एक और धोखाधड़ी के 3 मामले में दो माह बाद 4 दिसंबर से सक्रिय न्यायालयीन प्रक्रिया से इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू मुश्किलों में फंसते नजर आ रहे हैं। हमास के हमले के कारण बंद इजराइली कोर्ट दो माह बाद 4 दिसंबर से फिर से एक्शन में आ गई हैं। 4 साल पहले शुरू हुए इन केसों को नेतन्याहू के वकील अब कोर्ट से सुनवाई स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि युद्ध चल रहा है, इसलिए उनके (नेतन्याहू) पास तैयारी करने का समय नहीं है। इजराइली पीएम गठबंधन, वॉर कैबिनेट और पार्टी सभी मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एक सर्वे में सामने आया है कि इजराइली के 75प्र. लोगों का कहना है कि पीएम नेतन्याहू को अभी या फिर एक बार युद्ध खत्म हो जाए तो इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं बंधकों के परिजन भी पीएम पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि गाजा में सैन्य अभियान और संघर्ष विराम के फैसले में नेतन्याहू की भूमिका नहीं है।

इजराइली अधिकारियों का दावा है कि आईडीएफ से जुड़े हुए सारे फैसले रक्षा मंत्री योएव गैलेंट करते हैं। इजराइली सेना के दो पूर्व जनरल बेन्नी गेंज और गेडी आइसेनकोट शामिल होते हैं। वॉर कैबिनेट के 5 लोगों के कोर ग्रुप में नेतन्याहू दरकिनार हो गए हैं। गैलेंट को नेतन्याहू ने मार्च में बर्खास्त करने की कोशिश की थी। बेन्नी गेंज हालिया चुनावी सर्वे में नेतन्याहू से काफी आगे हैं। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर हाल में हुए 2 बड़े फैसलों में नेतन्याहू की भूमिका नहीं के बराबर रही है। पहला-गाजा में इजराइली सेना की कार्रवाई के समय का फैसला। दूसरा- 110 से ज्यादा बच्चों और महिला बंधकों की रिहाई के लिए हमास के साथ सप्ताहभर के संघर्ष विराम पर सहमति देना।

नेतन्याहू सरकार पर आरोप है कि वह फैसला नहीं ले पा रही है कि गाजा में युद्ध खत्म होने के बाद क्या होगा? गठबंधन के साथी चाहते हैं कि इजराइली सेना को स्थाई रूप से गाजा पट्टी में रहने दिया जाए। लेकिन, अमेरिका चाहता है कि सेना गाजा छोड़ दें और फिलिस्तीनी अथोरिटी को ताकतवर बनाएं ताकि वह सत्ता को संभाल सकें।

नेतन्याहू कट्टरपंथी गठबंधन में फंस गए हैं क्योंकि 18 महीने तक विपक्ष में रहने के बाद जब पीएम नेतन्याहू गठबंधन सरकार बनाने जा रहे थे, तो भ्रष्टाचार के आरोपों के मुख्य पार्टियों ने उनका साथ देने से इनकार कर दिया। सरकार बनाने के लिए नेतन्याहू ने धुर दक्षिणपंथी पार्टियों के साथ गठबंधन बनाया। बजट आवंटन के सारे फैसले उनकी सहयोगी धार्मिक पार्टियां करती हैं, जिन्होंने अरबों रुपए वेस्ट बैंक में सेटलमेंट और धार्मिक स्कूलों को आवंटित किए।

अनुच्छेद 370 पर चीन ने कहा-आपसी बातचीत से मुद्दा सुलझाए

शंघाई। भारत सरकार के अनुच्छेद 370 के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगा दी है। इसके बाद दुनिया के कई देशों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दीं है। इसमें चीन और पाकिस्तान भी शामिल है। चीन ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर मुद्दा भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल पर चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि कश्मीर के मुद्दे पर, चीन की स्थिति पूर्ववर्त और स्पष्ट है।उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच यह बेहद पुराना विवाद है और इसे संयुक्त राष्ट्र घोषणा-पत्र, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों और प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से हल किया जाना चाहिए। माओ निंग ने कहा कि इससे जुड़े पक्षों को संवाद और मंत्रणा के माध्यम से विवाद को सुलझाने और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता स्थापित करने की जरूरत है। पाकिस्तान ने सोमवार को इस मामले मे प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अनुच्छेद 370 पर भारत के उच्चतम न्यायालय के फैसले का कोई कानूनी महत्व नहीं है। इसके साथ ही उसने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून भारत की पांच अगस्त, 2019 की एकतरफा और अवैध कार्रवाइयों को मान्यता नहीं देता है। दसुप्रीम कोर्ट ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को सोमवार को सर्वसम्मति से बरकरार रखा और केंद्र शासित प्रदेश (जम्मू कश्मीर) का राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किए जाने एवं अगले साल 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

जेलेंस्की से मुलाकात के बाद बोले बाइडन, हम पुतिन के मंसूबे सफल नहीं होने देंगे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि तानाशाही का परिणाम मौत,तबाही और विनाश के अलावा कुछ नहीं होता है। ऐसे में अमेरिका किसी भी देश के अमानवीय रवैया को स्वीकार नहीं कर सकता है। ये बात बाइडेन और उनके यूक्रेनी समकक्ष जेलेंस्की के बीच हुई मुलाकात के बाद कही। जेलेंस्की ने कांग्रेस नेताओं से यूक्रेन के लिए फंडिंग की अनुमति देने का भी आग्रह किया। वहीं इस दौरान बाइडेन ने प्रेसिडेंशियल ड्रॉडाउन अथॉरिटी के तहत 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सैन्य पैकेज की भी घोषणा की। ज़ेलेंस्की ने अमेरिका और अन्य साझेदारों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और इसे यूक्रेन के लिए एक विशेष दिन बताया, क्योंकि लगभग 600,000 सैनिक अब रूस के खिलाफ चल रहे युद्ध में लड़ रहे हैं।जेलेंस्की ने कहा कि यह उनका दिन है, और वे हर दिन साबित करते हैं कि यूक्रेन जीत सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की मंगलवार को एक महत्वपूर्ण क्षण में वाशिंगटन पहुंचे, क्योंकि व्हाइट हाउस ने चेतावनी दी थी कि यूक्रेन को अमेरिकी सहायता जल्द ही बंद हो सकती है और कांग्रेस में नई सहायता पर बातचीत रुकी रहेगी। बाइडेन ने एक्स पर पोस्ट किया, हम पुतिन को सफल नहीं होने दे सकते और न ही होने देंगे। यूक्रेन के साथ खड़ा होना स्वतंत्रता के साथ खड़ा होना है। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन के साथ बैठक की, जो लगभग 30 मिनट तक चली।

जैसे ही ज़ेलेंस्की व्हाइट हाउस पहुंचे, बाइडेन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बाइडेन ने यूक्रेन के लिए अटूट समर्थन के लिए अमेरिका को धन्यवाद दिया। विशेष रूप से, कीव और मॉस्को के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका यूक्रेन को सैन्य और मानवीय सहायता की पेशकश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि व्हाइट हाउस में वापस आकर और यहां जो बाइडेन से मिलकर मुझे खुशी हो रही है। मैं यूक्रेन के लिए अमेरिका के अटूट समर्थन के लिए आभारी हूं, जिसमें आज घोषित 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सैन्य सहायता पैकेज भी शामिल है। हमारा समुद्री निर्यात फिर से शुरू हो गया है, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था, जो अब 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, और वैश्विक खाद्य सुरक्षा दोनों को मजबूती मिली है। हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, और राष्ट्रपति बाइडेन के साथ हमारी बातचीत में, हम आगे के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं।हम 2024 के लिए स्पष्ट और प्राप्य प्राथमिकताएं हैं, जिसमें रूस को उसकी हवाई श्रेष्ठता से वंचित करना और उसके आक्रामक अभियानों को विफल करना, संयुक्त रूप से हथियार बनाना और यूक्रेन का समर्थन करने के लिए जमी हुई रूसी संपत्तियों का उपयोग करना शामिल है। स्वतंत्रता अच्छी तरह से सशस्त्र और अच्छी तरह से संरक्षित होनी चाहिए।

माइक जॉनसन ने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ उनकी अच्छी मुलाकात हुई। हालांकि, वह अपने रुख पर अड़े रहे कि अमेरिका को सहायता बिल पर आगे बढ़ने से पहले सीमा पर ध्यान देने की जरूरत है। बैठक के बाद, जॉनसन ने कहा कि शुरू से ही, जब मुझे जिम्मेदारी सौंपी गई थी, हमें इस बात पर स्पष्टता की आवश्यकता थी कि हम यूक्रेन में क्या कर रहे हैं और हम कीमती करदाताओं के डॉलर के खर्च की उचित निगरानी कैसे करेंगे, और हमें इसकी आवश्यकता थी। माइक जॉनसन ने कहा कि किसी भी राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक व्यय पैकेज पर पहली शर्त सबसे पहले हमारी अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा है।

जम्मू कश्मीर में चलेगी वंदे भारत ट्रेन, सिर्फ 3.5 घंटे में जम्मू से श्रीनगर का सफर

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सबसे खूबसूरत और आधुनिक ट्रेनों में शुमार वंदे भारत की सौगात दी है। मोदी सरकार ने उधमपुर से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का फैसला किया है। भारत की सेमी हाईस्पीड ट्रेन जल्द ही कश्मीर की खूबसूरत वादियों के बीच दौड़ती दिखेगी। ये देश की 49वीं वंदे भारत ट्रेन होने वाली है, जिसका संचालन उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेलवे लाइन के बीच होगा। मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर को खास तौहफा दिया है, जिसकी जानकारी उधमपुर से सांसद और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने साझा की है। उन्होंने बताया है कि वंदे भारत ट्रेन अब उधमपुर-श्रीनगर बारामुला रेल लिंक परियोजना पर भी दौड़ने को तैयार है। बता दें कि इस ट्रेन को चलाने के लिए जम्मू और बारामूला के बीच रेलवे लिंक का निर्माण भी किया जा रहा है। वंदे भारत ट्रेन को इस रूट पर दौड़ाया जाएगा। इस ट्रेन के शुरू होने के बाद बारामूला को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ा जाएगा। इस सेमी हाईस्पीड ट्रेन की शुरुआत होने को लेकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री का भी आभार जताया है। उन्होंने कहा कि ये ट्रेन आने वाले समय में पूरे इलाके के लिए गेम चेंजर सिद्ध होगी। बता दें कि उत्तर रेलवे ने बीते सप्ताह ही यूएसबीआरएल का ट्रायल रन किया था जो सफलता के साथ पूरा हुआ है। वंदे भारत ट्रेन को भी इस ट्रैक पर ही दौड़ाया जाएगा। इस वंदे भारत ट्रेन में आठ डिब्बे होंगे। माना जा रहा है कि इस ट्रेन की रफ्तार 160 किलोमीटरप्रतिघंटा तक होगी और इसमें यात्रियों की सुविधा के लिए हर सामान मौजूद है। वर्तमान में देश में कुल सात रूट पर वंदे भारत ट्रेन दौड़ रही है।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन पर लगी आग, यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

मुंबई । मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन की कैंटीन में बुधवार को आग लग गई। जानकारी के मुताबिक, आग ने स्टेशन के बुकिंग और वेटिंग हॉल को भी अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों को स्टेशन से बाहर निकाला गया और आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि घटना में किसी की मौत नहीं हुई या कोई घायल नहीं हुआ। मध्य रेलवे के एलटीटी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर जन आहार कैंटीन में दोपहर 2.45 बजे आग लग गई। कथित आग की घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया, जिसमें रेलवे स्टेशन की छत से ऊपर उठता काला धुआं देखा जा सकता है। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवराज मानसपुरे ने जन आहार कैंटीन में आग लगने की पुष्टि की और कहा कि दोपहर करीब साढ़े तीन बजे आग पर काबू पा लिया गया।

पीएम मोदी 25 दिसंबर को करेंगे अयोध्या एयरपोर्ट का उद्घाटन

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी आगामी 25 दिसंबर को अयोध्या एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। बता दें कि अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा गया है। जिसका काम 15 दिसंबर तक पूरा करने का आदेश दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट का काम लगभग पूरा हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल लाइसेंस की प्रक्रिया जारी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एयरपोर्ट को टिकटों की बुकिंग के लिए एवायजे कोड भी जारी कर दिया है। संभावना जताई जा रही है कि एयरपोर्ट से पहली उड़ान 10 जनवरी को शुरू हो सकती है और यह पहली उड़ान दिल्ली के लिए हो सकती है। मीडिया में आ रही रिपोर्ट के मुताबिक 2200 मीटर लंबे और 45 मीटर चौड़े रनवे का निर्माण पूरा हो गया है, जिसपर एयरबस-ए 320 उड़ान भर सकता है। वहीं सुल्तानपुर स्टेट हाइवे पर स्थित डाभासेमर के पास से एयरपोर्ट आने-जाने का नया फोरलेन मार्ग बन गया है। जानकारी के मुताबिक एयरपोर्ट में दो टैक्सी-वे और एक एप्रेन का निर्माण भी हो चुका है। इस एप्रेन में चार हवाई जहाज एक साथ खड़े हो सकेंगे। यहां पर एक आइसोलेशन एरिया भी बनाया गया है, जहां आपातस्थिति में जहाज को खड़ा किया जा सकेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी की दूसरे चरण में 3,125 मीटर और तीसरे चरण में 3,750 मीटर लंबा रन-वे बनाने की तैयारी है, जिस पर बड़े जहाज भी आसानी से उतर सकेंगे।

हिमाचल-उत्तराखंड में हुई बर्फबारी के कारण शीतलहर की चपेट में आएंगे कई राज्य

नई दिल्ली। हिमाचल-उत्तराखंड जैसे कई पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। इसका असर दूसरों राज्यों पर भी पड़ेगा। भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि जिन इलाको में बर्फबारी हुई है वहां तापमान में काफी गिरावट आ गई है। मौसम के खुलते ही शीतलहर की संभावना बढ़ जाएगी। इसका प्रभाव जिन राज्यों पर आएगा वहां ठंड बढ़ेगी और तापमान में गिरावट आएगी। आईएमडी के मुताबिक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान शून्य या इससे नीचे हैं। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ में शून्य से 7 डिग्री नीचे तापमान दर्ज किया गया। बदरीनाथ और गंगोत्री-यमुनोत्री में मंगलवार दोपहर बाद से ही बर्फबारी शुरू हो गई। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में माइनस 4.8 डिग्री सेल्सियस पारा रहा। इस बीच, मौसम विभाग ने बारिश का अनुमान भी व्यक्त किया है। पहाड़ों पर बर्फबारी का असर उत्तर भारत में नजर आएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, अभी कुछ राज्यों में तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक है, लेकिन जैसे ही पहाड़ों से चली सर्द हवाएं मैदानी राज्यों तक पहुंचेंगी, तापमान में गिरावट आएगी।

एयर इंडिया केबिन क्रू और पायलट्स के लिए मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन की यूनिफॉर्म

मुंबई । प्रायवेट विमानन कंपनी एयर इंडिया के केबिन क्रू और पायलट्स के लिए मनीष मल्होत्रा ने यूनिफॉर्म डिजाइन की है। जिसे कंपनी ने मंगलवार को अपने चालक दल के सदस्यों (केबिन और कॉकपिट क्रू) के लिए पेश की। इसे फैशन डिजायनर मनीष मल्होत्रा ने तैयार किया है। इस संबंधन में कंपनी ने कहा कि नई पोशाक अगले कुछ महीनों में चरणवार तरीके से उपयोग में लाई जाएगी। इसे सबसे पहले देश के पहले एयरबस ए350 विमान के चालक दल सदस्यों को पहनने के लिए दिया जाएगा। वीडियो के अनुसार एयरलाइन की महिला केबिन क्रू सदस्य आधुनिक लुक के साथ ओम्ब्रे साड़ी पहनेंगी, जबकि पुरुष बंदगले का सूट पहनेंगे। कॉकपिट क्रू के लिए, प्रसिद्ध डिजाइनर मल्होत्रा ने क्लासिक ब्लैक सूट डिजाइन किए हैं। एयर इंडिया का नया यूनिफॉर्म अगले कुछ महीनों में चरणबद्ध तरीके से इस्तेमाल में लाया जाएगा। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि एयर इंडिया की चालक दल की पोशाक विमानन इतिहास में दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित वर्दी में से एक है, और हमारा दृढ़ विश्वास है कि मनीष मल्होत्रा का अभिनव पहनावा एयर इंडिया के भविष्य की कहानी के लिए रोमांचक और नया अध्याय लिखेगा। मनीष मल्होत्रा ने इन डिजाइंस के बारे में कहा कि उनका उद्देश्य ऐसी वर्दी बनाना है जो भारत की विविध संस्कृति और परंपराओं के सार को कैप्चर करे और साथ ही एक आधुनिक और परिष्कृत रूप भी दे सके। उन्होंने कहा कि मैं इस काम के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि मुझे एयर इंडिया के लिए वर्दी डिजाइन करने का मौका मिला है।

गुजरात में 'आप' को बड़ा झटका, विसावदर से विधायक ने दिया स्तीफा, भाजपा जॉइन करेंगे

अहमदाबाद । आम आदमी पार्टी (आप) को गुजरात में बड़ा झटका लगा है। जूनागढ़ से आप विधायक भूपत भायाणी ने इस्तीफा दे दिया है। भूपत भायाणी ने अपना इस्तीफा गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी को सौंप दिया। भूपत भायाणी ने आप छोड़ने के साथ ही भाजपा जॉइन करने का भी ऐलान कर दिया है। भूपत भायाणी के इस्तीफे से गुजरात आप में हड़कम्प मच गया है। भायाणी के इस्तीफे को लेकर गुजरात आप के पूर्व प्रमुख गोपाल इटालिया की आपत्तिजनक टिप्पणी भी चर्चा का विषय बन गई है। फिलहाल गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने भूपत भायाणी का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। भायाणी के इस्तीफे से गुजरात विधानसभा फिर एक बार खंडित हो गई है। भूपत भायाणी ने कहा कि उन्होंने अपने समर्थक और मतदाताओं से पूछकर इस्तीफा देने का फैसला किया है। बता दें कि 2022 में हुए गुजरात विधानसभ के चुनाव में भाजपा ने 156 सीटों पर रिकार्ड जीत दर्ज की थी। कांग्रेस को 17 और आप को 5 सीटों पर जीत मिली थी। 5 में से एक विधायक के इस्तीफे से गुजरात में आप के केवल 4 विधायक रह गए हैं। चर्चा है कि आप के एक और विधायक सुधीर वाघामी जल्द ही इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

पंजाब और हरियाणा से निकले खतरनाक अपराधी, विदेशों में बैठकर करा रहे हैं अपने इशारों पर अपराध

भारत की गिरफ्त से दूर है क्यों ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा स्थित गैंगस्टर अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श दल्ला, जिसने जनवरी में उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में एक व्यक्ति की हत्या की साजिश रची थी, और यूके स्थित कपिल सांगवान, जिसने अप्रैल में दिल्ली भाजपा के पदाधिकारी सुरेंद्र मटियाला को टक्कर मारी थी, मोस्ट वांटेड की सूची में शामिल हैं। ये लोग दिल्ली पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के रडार पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि अधिकांश सूचीबद्ध गैंगस्टर विपरीत विदेशों से काम कर रहे हैं। यह सभी कई अन्य राज्यों से चीजों का प्रबंधन कर रहे है और अपने मुकाम में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। जांचकर्ताओं ने कहा कि अपराधी 2024 में पुलिस के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनने जा रहे हैं क्योंकि उनकी मुंबई अंडरवर्ल्ड जैसी कार्यप्रणाली है जिसमें वे विदेश में रहते हुए अपने गुर्गों के माध्यम से हत्याएं और जबरन वसूली करते हैं।

खालिस्तान टाइगर फोर्स के प्रमुख और मारे गए आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर के करीबी सहयोगी दल्ला उत्तर पश्चिमी दिल्ली में एक व्यक्ति की नृशंस हत्या में शामिल थे। दिसंबर-जनवरी में, उसने दिल्ली में एक हिंदू व्यक्ति की तलाश करने और उसे मारने के लिए दो हमलावरों को काम पर रखा था। हत्यारों - नौशाद और जग्गा - ने त्रिशूल टैटू वाले एक व्यक्ति को निशाना बनाया और उसका सिर काट दिया। दोनों ने इस कृत्य को रिकॉर्ड किया और वीडियो को एक चैट ऐप पर दल्ला को भेजा। जनवरी में, दल्ला को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नामित आतंकवादी घोषित किया गया था।

समझा जाता है कि पुर्तगाल में रहने वाला हिमांशु भाऊ भी पुलिस के लिए एक चुनौती बन गया है क्योंकि वह वहां से बेशर्मी से जबरन वसूली रैकेट चलाता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उसकी उम्र 21-22 साल है और वह करीब दो दर्जन जघन्य मामलों में वांछित है।

हाल ही में राजस्थान में करणी सेना प्रमुख सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या के बाद रोहित गोदारा भी इस सूची में हैं। कुछ समय पहले फर्जी पासपोर्ट पर पुर्तगाल और अजरबैजान के बीच यात्रा करने का संदेह था, गोदारा को आखिरी बार 'गधा मार्ग' का पालन करते हुए जाना गया था, जो अन्य देशों में कई स्टॉप के माध्यम से अमेरिका और कनाडा में अनधिकृत प्रवेश के लिए एक अवैध आव्रजन विधि है।

लॉरेंस बिश्नोई का सबसे करीबी सहयोगी गोल्डी बरार विभिन्न राज्यों की पुलिस को वांछित है। सिद्धू मूस वाला की हत्या के बाद से राष्ट्रीय जांच एजेंसी भी उसके पीछे लगी हुई है। दिल्ली के कई कारोबारियों, बिल्डरों और सट्टेबाजों से उनसे रंगदारी की मांग की गई है। शुरुआत में कनाडा में रहने के बाद, जब उनके प्रतिद्वंद्वियों ने वहां अपना आधार मजबूत कर लिया, तो कथित तौर पर वह अमेरिका भाग गए। बंबीहा सिंडिकेट के शीर्ष गुर्गे गौरव उर्फ लकी पटियाल ने मूस वाला की हत्या के बाद बिश्नोई को खत्म करने की कसम खाकर पुलिस का ध्यान आकर्षित किया। वह हाल ही में तब सुर्खियों में आया जब अगस्त में अजरबैजान से प्रत्यर्पित किए गए गैंगस्टर सचिन बिश्नोई ने आर्मेनिया में घुसने और पटियाल को खत्म करने की अपनी योजना का खुलासा किया।

गैंगस्टर से आतंकवादी बना लखबीर सिंह उर्फ लांडा हरिके दिल्ली पुलिस की निगरानी में है क्योंकि उसका नाम मोहाली में आरपीजी हमले के मामले और एक शिव सेना नेता की हत्या के अलावा दिल्ली और पंजाब में व्यापारियों को कई जबरन वसूली कॉल में आया है।

सच्चे सामाजिक न्याय का प्रतीक है 3 राज्यों में मुख्यमंत्रियों का चयन : सुशील मोदी

पटना । बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि तीन राज्यों में मुख्यमंत्रियों का चयन सच्चे सामाजिक न्याय का प्रतीक है। यहां पर बिना सीएम-फेस घोषित किए तीन हिंदी प्रदेशों में चुनाव लड़े गए और तीनों राज्यों में स्पष्ट बहुमत पाने के बाद भाजपा ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय के विष्णु साय, मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग के डॉ. मोहन यादव और राजस्थान में स्वर्ण समाज के भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर सामाजिक न्याय का ऐसा उदाहरण सामने रखा है, जिससे 2024 से पहले इंडी गठबंधन की हवा निकल गई। सुशील मोदी ने तीनों मनोनीत मुख्यमंत्रियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब नीतीश कुमार बनारस में रैली करें या फूलपुर से चुनाव लड़ लें, कहीं उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है। जदयू पहले उत्तर प्रदेश और अब मध्य प्रदेश विधानसभा की 10 सीटों पर जमानत जब्त करवाकर बिहार के बाहर अपनी औकात देख चुका है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि विपक्षी गठबंधन ने किसी यदुवंशी को मुख्यमंत्री नहीं बनाया और बिहार में जिन्हें बनाने के लिए एड़ी-चोट का जोर लगाया जा रहा है, वे नौकरी के बदले जमीन मामले में आरोपित हैं। उनकी एक मात्र योग्यता लालू प्रसाद का पुत्र होना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम ने नए मुख्यमंत्रियों के चयन में सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और सबका सम्मान करने की गारंटी साबित की। राज्यसभा सांसद ने कहा कि तीन राज्यों में भाजपा के पक्ष में आए जनादेश से हताश इंडी गठबंधन को बैठक टालनी पड़ी। विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्री किनारा करने लगे हैं। मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन साझा उम्मीदवार तय करना तो बहुत दूर की बात है, अब तक उप-समितियों की बैठक नहीं कर पाया।

राहुल गांधी पर बीजेपी का पलटवार, अनुराग ठाकुर बोले- कांग्रेस ने देश को जो घाव दिए हैं, इतिहास उसका गवाह है

नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर राहुल गांधी के हमले का जवाब देते हुए, भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को आजादी के बाद तत्कालीन रियासतों को भारत संघ के साथ एकीकृत करने में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान का जिक्र किया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इतिहास पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस पार्टी को कभी माफ नहीं करेगा। राजनीतिक फायदे के लिए कांग्रेस ने देश को जो घाव दिए, इतिहास उसका गवाह है।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने दावा किया कि भारत के पहले गृह मंत्री द्वारा नियंत्रित रियासतों में कोई समस्या नहीं थी, लेकिन देश के पहले प्रधान मंत्री नेहरू द्वारा प्रबंधित एक राज्य (जम्मू और कश्मीर) में कई चुनौतियाँ थीं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 का मसौदा क्यों तैयार किया गया था? यह अस्थायी था। कांग्रेस के लोग इसके विरोध में थे। ये इतिहास की हकीकत है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित इतिहास से अच्छी तरह वाकिफ हैं। हम सभी उनसे बहुत कुछ सीखते हैं। उन्होंने कहा कि नेहरू पर शाह की टिप्पणी इतिहास की हकीकत है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि 550 रियासतें थीं, उन्हें सरदार पटेल संभालते थे, वहां कोई समस्या नहीं है। एक को नेहरू संभालते थे... वह आज तक समस्याग्रस्त है। ज्यादातर समस्याएं 2019 में खत्म हो गईं। प्रसाद ने दावा किया कि राहुल गांधी सच्चाई से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अमित शाह को इतिहास का पूरा ज्ञान है। आपके ज्ञान के बारे में देश भर में बहुत कुछ कहा जाता है। मैं उस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता।' बीजेपी नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उन्होंने माउंटबेटन और रोमिला थापर का इतिहास पढ़ा है।

इससे पहले राहुल गांधी ने भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू पर अपनी टिप्पणी को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि मंत्री इतिहास नहीं जानते हैं और इसे 'फिर से लिखते रहते हैं'। उन्होंने अपने बयान में कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भारत के लिए अपनी जिंदगी दे दी, सालों जेल में रहें। गृह मंत्री अमित शाह को शायद इतिहास नहीं मालूम... ये बात केवल भ्रमित करने के लिए की गई है। मूल मुद्दा जातीय जनगणना, भागीदारी और देश का धन किसके हाथों में जा रहा है, ये है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के इतिहास पर एचएम अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा, 'ऐसा लगता है कि राहुल गांधी ने माउंटबेटन द्वारा लिखित इतिहास का अध्ययन किया है, क्योंकि अमित शाह केवल भारत के इतिहास के बारे में बोलते हैं।'

शराब कर चोरी केस : आयकर विभाग ने कांग्रेस सांसद धीरज साहू की धन तलाशी में लगाये जीईओ सर्विलांस

रांची (एजेंसी)। ओडिशा के बोलांगीर जिले में कर चोरी की सूचना के बाद हफ्ते भर से जारी आयकर विभाग का तलाशी अभियान जारी है। इस बीच बोलांगीर देशी शराब निर्माण इकाई से संबधित परिसरों पर छापेमारी के बाद अब आयकर विभाग की नजर कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू के खिलाफ आयकर विभाग का एक्शन जारी है और अब तक उनके ठिकानों से करीब 350 करोड़ कैश बरामद हुए हैं। जमीन के भीतर खजाना की संभावना को लेकर आयकर विभाग की टीम कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर समेत परिसरों पर लगातार आठ दिनों से इनकम टैक्स के अधिकारी कार्रवाई कर रहे हैं।

दरअसल, धीरज साहू के घर को मंगलवार की देर शाम को जीईओ सर्विलांस सिस्टम के जरिए खंगाला गया। आयकर विभाग की टीम को शक था कि जमीन के अंदर रुपए और जेवरात छिपे हो सकते हैं, यही वजह है कि टीम ने इस तकनीक का सहारा लिया। जीईओ सर्विलांस सिस्टम की मदद से हो रही छापेमारी के बाद सांसद धीरज साहू के आवास पर हलचल बढ़ गई है।

दरअसल, इससे पहले आयकर विभाग ने ओडिशा के बोलांगीर जिले में देशी शराब निर्माण इकाई से संबधित परिसरों में तलाशी अभियान के दौरान 350 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाब नकदी तथा लगभग तीन किलोग्राम सोना बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही छापेमारी पूरी हुई, आयकर टीम सुतापाड़ा स्थित कंपनी के दो प्रबंधकों को पूछताछ के लिए अज्ञात स्थान पर ले गई। कंपनी का स्वामित्व झारखंड निवासी कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू के परिवार के पास है।

बोलांगीर और संबलपुर में बैंक कर्मचारियों सहित 200 से अधिक लोग नकदी की तलाशी और गिनती में लगे हुए थे। छापेमारी बोलांगीर, टिटलागढ़, बौध, राउरकेला, सुंदरगढ़ और भुवनेश्वर में की गई। आयकर विभाग के महानिदेशक संजय बहादुर छापेमारी की निगरानी के लिए भुवनेश्वर में डेरा डाले रहे।

रेड लाइट और स्लम एरिया के गरीब बच्चों के लिए शुरु हुई पुलिस पाठशाला

-दो दर्जन से अधिक बच्चे को पढ़ाते हैं पुलिस और शिक्षक

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। जिस रेड लाइट इलाके के बच्चे कभी पुलिस को देखते डर जाते थे। आज वहीं बच्चे पुलिस अंकल से पढ़कर उनके जैसा ही पुलिसवाला बनने के सपना देख रहे हैं। यह सब मुमकिन हुआ है मुजफ्फरपुर पुलिस और रेड लाइट इलाके से आने वाली सामाजिक कार्यकर्ता नसीमा खातून की बदौलत। इस लेकर ओपी में पुलिस पाठशाला खोली गई है।

मुजफ्फरपुर में रेड लाइट इलाके के बच्चों को पढ़ने के लिए पुलिस पाठशाला की शुरुआत की गई है। ताकि, स्लम एरिया के गरीब और रेड लाइट एरिया के बच्चों को पढ़ाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। पाठशाला में पूरी क्लास रूम की तरह व्यवस्था की गई है। इसमें पहली कक्षा से लेकर आठवीं क्लास के बच्चों को क्लास दी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस पाठशाला में अभी करीब दो दर्जन से अधिक बच्चे पढ़ाई करने आ रहे हैं। इस पाठशाला में पुलिसकर्मी के साथ अलग स्कूल के टीचर भी क्लास देते हैं। पढ़ने के लिए पेन, पेंसिल समेत अन्य सामान दिया जाता है। बच्चों के पढ़ने के लिए थाने के बगल में खाली जगह को टेंट से घेर दिया गया है।

कमरे को क्लास रूम की शक्ल देने के लिए दीवार पर अल्फाबेट, ककहरा, टेबल और राइम्स बोर्ड भी लगाया गया है। फर्श पर बैठकर बच्चों को पढ़ने के लिए ग्रीन मैट बिछाया गया है। ताकि, बच्चों को ठंड का एहसास नहीं हो। कन्हौली थाने पर शुरू हुई पुलिस पाठशाला चर्चा का केंद्र बना हुआ है। शहर के रहने वाले भी जिला पुलिस की इस पहल को काफी सराहना कर रहे हैं।

इसकी पहल सामाजिक कार्यकर्ता नसीमा और एक स्कूल के शिक्षक ने की है। इसके बाद पाठशाला शुरू हुआ। करीब एक माह पहले यह क्लास पांच बच्चों से शुरू हुआ था। अब यहां दो दर्जन से अधिक बच्चों ने नामांकन कराया है। वे नियमित क्लास करने के लिए आते हैं। बच्चों को पढ़ाने के लिए रोज नए-नए टीचर आते हैं। इसके अलावा बच्चों को पुलिसकर्मियों के कार्यशैली भी बताई जाती है।

भय के माहौल में जीने को विवश जनता, अपराध नियंत्रण के दावे बने जुमला

-सपा अध्यक्ष अखिलेश के जारी बयान में आरोप - जीरो टॉलरेंस रह गया जीरो

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आतंक तथा भय के माहौल में जीने को विवश नागरिकों को देखते हुए अपराध नियंत्रण के दावे अब जुमला मात्र रह गये हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जारी एक बयान में कहा कि जीरो टॉलरेंस अब जीरो हो गया है। महिलाओं, बच्चियों के अलावा अब बच्चे भी यौन उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं जो शासन और प्रशासन के लिए शर्म की बात है। राजधानी लखनऊ में ही महिलाएं-बच्चियां सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री का रोमियो स्क्वाड और गश्ती पुलिस दल वारदातों के समय कहीं दिखाई नहीं देता है। हद तो यह है कि अब अधिकारी स्तर की महिलाएं भी अपनी आबरू नहीं बचा पा रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में हर चार दिन में एक बच्चा यौन शोषण का शिकार हो रहा है। आंकड़ों से यह सच्चाई स्पष्ट है। अपराध की ये घटनाएं विचलित करने वाली हैं। वाराणसी में वर्ष 2022 में 18 साल से कम उम्र के 46 बच्चे-बच्चियां दुष्कर्म की शिकार हुई। 41 के साथ छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज हुई। वाराणसी कमिश्नरेट के थानों में वर्ष 2022 में बच्चे, बच्चियों से सम्बन्धित 241 मुकदमें दर्ज किए गए।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि वाराणसी में विवाहित महिलाएं घरेलू हिंसा की रोज ही शिकार हो रही हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वाराणसी में 485 महिलाओं ने अपने उत्पीड़न के मुकदमें दर्ज कराए। दहेज हत्या के 25 केस दर्ज हुए। 208 महिलाओं का अपहरण हुआ। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा सरकार के पास सिर्फ जुमले हैं और बहकाने के लिए झूठे आश्वासन हैं। भाजपा ने बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं, नारी वंदन जैसी योजनाएं सिर्फ दिखावे के लिए शुरू की है। बेटियां सुरक्षित नहीं है और नारी वंदन उनके क्रंदन से अभिशापित है। जनता भाजपा सरकार के निकम्मेपन से ऊब चुकी है और वह अब 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करके ही चैन लेंगी।

जद(यू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 29 दिसंबर को दिल्ली में

नई दिल्ली । बिहार के एक प्रमुख राजनीतिक दल जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 29 दिसंबर को राजधानी दिल्ली में होगी, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आफाक अहमद खान की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया, ''राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (नेता संसदीय दल) ने 29 दिसंबर 2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे नयी दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक निर्धारित की है। इस बैठक में पार्टी के सर्वोच्च नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शामिल होंगे।

पीओके को लेकर भारत की चुनौती से तिलमिलाया पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को चिंता में डाल दिया है। वजह ये है कि भारत ने कह दिया है कि पीओके हमारा है और हम इसे लेकर रहेंगे। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के भारत में विलय का समय आ गया है। मोदी सरकार का अगला लक्ष्य कश्मीर का एकीकरण है। गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर की 24 सीटों को आरक्षित रखा गया है, क्योंकि हम अभी-भी ये मानते हैं जिसको जो बोलना है वो बोले। इस सदन में बोला हुआ शब्द इतिहास बनता है। आज फिर से कहना चाहता हूं। पाक अधिकृत कश्मीर भारत का है। हमारा है और हमसे कोई नहीं छीन सकता। अमित शाह का ये बयान इस बात का प्रमाण है कि भारत सरकार पीओके को वापस लेने के लिए अटल है। अडिग है पीओके सिर्फ ज़मीन का एक टुकड़ा नहीं जिसे पाकिस्तान ने दगाबाजी से हथिया लिया था। बल्कि पीओके में भारत के प्राण हैं। पीओके को वापस लेना भारत के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि पीओके भारत का अभिन्न अंग है।

संसद से गृह मंत्री अमित शाह ने न सिर्फ एक-एक सवाल का जवाब दिया, बल्कि जम्मू-कश्मीर का कायाकल्प करने के लिए अहम बिल पेश किया। अमित शाह ने राज्यसभा में जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम बिल पेश किया जिसे लोकसभा में पहले ही पारित किया जा चुका है। इस विधेयक के तहत जम्मू-कश्मीर में कुल सीटें बढ़कर 119 हो जाएंगी, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की 24 सीटें भी शामिल हैं, जो खाली रहेंगी। इसके साथ अमित शाह ने कांग्रेस पर सवाल उठाते हुए कह दिया कि आखिर 370 को सिर्फ कश्मीर में ही क्यों लागू किया गया था, किसी और जगह क्यों नहीं। अमित शाह ने कहा, शेख अब्दुल्लाह को विशेष स्थान देने का आग्रह था. इस कारण विलय देर हुआ। इस कारण पाकिस्तान को आक्रमण करने का मौका मिला। मैं आज ये पूछना चाहता हूं कि इतने सारे कठिन राज्यों का विलय हो गया। कहीं पर 370 क्यों नहीं है। न जोधपुर में है। न जूनागढ़ में है। न हैदराबाद में है। न लक्षद्वीप में है। क्यों 370 नहीं है। संवेदनशील ह्रदय के कारण 370 है। कंडीशन किसने रखी। किसने स्वीकार की। इतिहास जवाब मांगता है। देश की जनता जवाब मांगती है। जवाब देना पड़ेगा। भाग नहीं सकते इतिहास से। ये वही पीओके है जिसे लेकर देश की संसद से लेकर यूएन तक भारत शपथ ले चुका है। भारत कह चुका है कि पीओके खाली करो। पूरा कश्मीर भारत का था और अब भारत का होगा और पीओके की भारत वापसी का प्लान बहुत बड़ा है। इसके लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर सारी तैयारियां की जा चुकी हैं।

भारत के इस प्लान से पाकिस्तान सन्न है। इसीलिए 370 को लेकर भारत की सर्वोच्च अदालत के फैसले के बाद पाकिस्तान तिलमिलाया हुआ है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था स्ट्रेचर पर है और पाकिस्तान की सरकार व्हीलचेयर पर, लेकिन अब भी वो बाज नहीं आ रहा। पाकिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ज़बरदस्त मिर्ची लगी है। जिलानी ने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानून भारत की 5 अगस्त 2019 की एकतरफा और अवैध कार्रवाइयों को मान्यता नहीं देता है, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का कोई मूल्य नहीं है। जम्मू-कश्मीर का मसला दशकों से संयुक्त राष्ट्र में है। इस तरह से कश्मीरियों का हक छीना नहीं जा सकता. पाकिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री के अलावा पाकिस्तान के 2 पूर्व विदेश मंत्री भी तिलमिला गए। यानी पाकिस्तान की छटपटाहट साफ़ समझी जा सकती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

डायमंड बुर्स विवाद में हाईकोर्ट ने दी स्टे, निर्माण समिति के अध्यक्ष बोले- 'कोई भी झूठे रुपये न दे..'

२७ दिसंबर तक का स्टे,उसके बाद कोर्ट में साक्ष्य पेश करने होंगे

सूरत डायमंड बुर्स के अध्यक्ष लालजी पटेल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बनी दुनिया की सबसे बड़ी बिजनेस बिल्डिंग सूरत डायमंड बुर्स का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार १७ दिसंबर को इसका औपचारिक उद्घाटन करने जा रहे हैं। इससे पहले, डायमंड बुर्स का निर्माण करने वाली पीएसपी कंपनी ने ५३८ करोड के बकाए को लेकर सूरत डायमंड बुर्स कमेटी के खिलाफ सेशन कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। जिसक शनिवार १६ दिसंबर को सुनवाई होनी थी, लेकिन उससे पहले ही मामले में नया मोड़ आ गया है। बुर्स कमेटी ने हाईकोर्ट से स्टे प्राप्त कर लिया है।

सूरत डायमंड बुर्स कमेटी पीएसपी कंपनी द्वारा सूरत डायमंड बुर्स के खिलाफ दायर मुकदमे में गुजरात उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश लेकर आई है। फिलहाल इस मामले में रोक ही काफी है। स्टे मिलने के बाद सूरत डायमंड बुर्स कंस्ट्रक्शन कमेटी के चेयरमैन लालजी पटेल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो स्टेटमेंट पोस्ट किया है। सूरत डायमंड बुर्स दुनिया के लिए एक नज़ारा बन गया है। कुछ समय पहले पीएसपी कंपनी ने एसडीबी के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। लेकिन हमें भरोसा था कि अदालत हमारा पक्ष सुनेगी और हमें न्याय देगी। आज हाईकोर्ट ने स्टे दे दिया है। अगली तारीख २७ दिसंबर तक रोक रहेगी। फिर हमें अपने सबूत पेश करने होंगे। न तो सूरत डायमंड बुर्स कमेटी को और न ही हीरा व्यापारियों को चिंता करने की जरूरत है। हीरा उद्योग को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हम किसी का एक भी रुपया गलत तरीके से नहीं काटेंगे या देंगे। सूरत डायमंड बुर्स उन लोगों को प्रदान करने की जिम्मेदारी लेने में सक्षम है जो व्यावहारिक होगा। बुर्स के ४२०० से अधिक हीरा डीलर हम पर भरोसा करते हैं। कोई चिंता का विषय नहीं।

रविवार को नए टर्मिनल का उद्घाटन, सुबह से वीवीआईपी मूवमेंट से गुलजार रहेगा एयरपोर्ट

अहमदाबाद, वडोदरा समेत एयरपोर्ट स्टैंड पर हैं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १७ दिसंबर को सूरत डायमंड बुर्स के साथ सूरत एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके चलते रविवार को सुबह से ही सूरत एयरपोर्ट वीवीआईपी मूवमेंट से गुलजार नजर आएगा। सूत्रों से पता चला है कि सूरत एयरपोर्ट पर ५ से ज्यादा चार्टर्ड फ्लाइट्स को पार्क करने का आवेदन मिला है।

हालांकि ऐसी संभावना है कि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा को देखते हुए सूरत एयरपोर्ट इन सभी आवेदनों को रद्द करने के लिए मजबूर होगा। यहां बात ये है कि देश-विदेश के बड़े हीरा कारोबारी और वरिष्ठ नेता भी चार्टर्ड फ्लाइट से सूरत एयरपोर्ट आएंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी की फ्लाइट की लैंडिंग इस तरह से की जाएगी कि यात्री उड़ानों को कोई परेशानी नहीं होगी। इसके साथ ही जानकारी है कि अहमदाबाद, वडोदरा और राजकोट समेत राज्य के हवाईअड्डों को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है।

दिल्ली-सूरत फ्लाइट का किराया बढ़ गया है । १७ तारीख को दिल्ली से सूरत फ्लाइट का हवाई किराया १५ हजार रुपये हो गया है। आम दिनों में दिल्ली से सूरत के लिए उड़ानों का किराया करीब ४,५०० होता है। १३ से १६ दिसंबर तक यहां का हवाई किराया भी १५ हजार के करीब देखने को मिलेंगे।

डायमंड बुर्स का उद्घाटन,१७ को आऐंगे देश विदेश से २ हजार मेहमान,सभी ५-सितारा होटल पैक

पास पाने के लिए लोगों में होड़ मची है, इसलिए डोम की डायमंड श्रेणी में सीटें बढ़ानी पड़ीं

पीएम मोदी के हाथो डायमंड बुर्स का उध्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रधानमंत्री मोदी १७ तारीख को दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग डायमंड बुर्स का उद्घाटन करेंगे। मोदी ने ४ महीने पहले ही तारीख की घोषणा कर दी थी, जिसे लेकर बुर्स कमेटी ने कार्यक्रम की तैयारी भी शुरू कर दी थी। दुबई, हांगकांग समेत विदेशों में २ हजार से ज्यादा लोगों को आमंत्रित किया गया है। बुर्स कमेटी ने बाहर से आने वाले मेहमानों के लिए शहर में ५ सितारा सहित होटल बुक किए हैं। शहर में तीन फाइव स्टार होटल हैं, जिनके सभी कमरे बुक हो चुके हैं। अवध यूटोपिया क्लब में भी कुछ कमरे बुक हैं। इतने बड़े आयोजन के कारण शहर के ५ सितारा होटलों में कमरे कम पड़ गए हैं।

दुनिया भर के व्यापारियों के लिए निमंत्रण, कई लोग चार्टर्ड उड़ानों से आएंगे सूरत से दुनिया के लगभग सभी देशों में हीरों का व्यापार होता है, जिसके लिए सूरत डायमंड बुर्स कमेटी ने विदेशों में रहने वाले हीरा व्यापारियों को सूरत डायमंड बुर्स के उद्घाटन समारोह के लिए सूरत आने की व्यवस्था की है। समिति के सदस्यों के अनुसार सूरत डायमंड बुर्स समिति द्वारा हीरा व्यापारियों, हीरा खरीदारों और हीरा व्यापारियों से जुड़े २,००० से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिनके लिए होटलों में रुकने की सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा।

थ्री स्टार, फाइव स्टार, अवध यूटोपिया में रुमों का बुकिंग शहर में कुल तीन पांच सितारा होटल हैं। इस कार्यक्रम में विदेश से और सूरत बाहर के शहरों से मेहमानों को आमंत्रित किया है। सूरत आने वाले मेहमानों के लिए थ्री, फाइव स्टार होटलों में कमरे बुक किए गए हैं। साथ ही अवध यूटोपिया क्लब में भी कमरे बुक हो गए हैं, जिसके चलते सूरत के पांच सितारा होटलों के सभी कमरे फिलहाल हाउसफुल हैं।

अकेले मुंबई से ३ हजार व्यापारी आएंगे सूरत डायमंड बुर्स के उद्घाटन में न केवल सूरत बल्कि मुंबई समेत कई शहरों से हीरा व्यापारी शामिल होंगे। साथ ही भारत के विभिन्न शहरों में आभूषणों का कारोबार करने वाले व्यापारी, दिल्ली, जयपुर के हीरा व्यापारी भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस आयोजन में मुंबई के लगभग ३ हजार से ज्यादा हीरा व्यापारी हिस्सा लेंगे। सूत्रों ने यह भी जानकारी दी है कि कुछ हीरा कारोबारी चैर्टर्ड फ्लाइट से सूरत आएंगे।

बिना आईडी के प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड ऊंची कीमत पर बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़

प्री-एक्टिवेटेड ८४ सिम कार्ड के साथ ३ गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पीसीबीए ने सूरत में बेनंबरी व्यवसायों के लिए प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड बेचने के एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है और ८४ सिम कार्ड के साथ ३ को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक मोबाइल कंपनी में एजेंट है। एजेंट के साथ उसके दो साथी भी शामिल थे। जबकि एजेंट विजय राठौड़ को १२ प्री-एक्टिव सिम कार्ड स्याना के रुद्र नाम के व्यक्ति ने दिए थे। जबकि १० प्री-एक्टिव सिम

गिरफ्तार आरोपियों में से एक मोबाइल कंपनी में एजेंट और उसके दो साथी भी शामिल थे

कार्ड विजय जय नाम के शख्स को दिए जाने थे। फिलहाल जय और रुद्र दोनों को वांटेड घोषित किया गया है।

पीसीबी के पीआई आर.एस. सुवेरा के निर्देश पर स्टाफ ने अडाजण बस पोर्ट से प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड बेचने के रैकेट का भंडाफोड़ किया। जिसमें ३ को गिरफ्तार कर लिया गया है। वीआई कंपनी का एजेंट बिना आईडी वाला सिम कार्ड ऊंचे दाम पर बेच रहा था। जिसमें ८४ सिम कार्ड, ४ मोबाइल मिले और कुल ४५७७० की कीमत जब्त की गई है।

सिम कार्ड देने वाले रुद्र और खरीदार जय को वांछित घोषित कर दिया गया है। आदतन अपराधी डमी सिम कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। एक ही ग्राहक के नाम पर दो सिम कार्ड एक्टिवेट किए जा रहे थे। फिर उन्हें बेच दिया गया। इस कार्ड का इस्तेमाल अवैध कारोबार या देश विरोधी गतिविधियों के लिए भी किया जा सकता है। इसलिए पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और आगे की पूछताछ कर रही है।

नगर निगम के पुना सामुदायिक भवन में जगह-जगह गंदगी से लोगों को काफी परेशानी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा बनाए गए कुछ सामुदायिक हॉलों का रखरखाव नहीं होने के कारण ये हॉल किराएदारों के लिए आफत बनते जा रहे हैं। किराया कम होने के कारण लोग हॉल बुक करते हैं। लेकिन कुछ सामुदायिक भवनों में अत्यधिक गंदगी सहित कई समस्याएं हैं, इसलिए जो व्यक्ति मुझे ले जाता है उसकी हालत और भी खराब है। ऐसे सामुदायिक भवनों में कार्यक्रम मनाने से किराएदारों के लिए कई मुश्किलें पैदा होती हैं।

नगर निगम द्वारा बनाया गया सामुदायिक भवन सूरत शहर के गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए एक वरदान है। लेकिन नगर पालिका द्वारा इस सामुदायिक भवन का उचित रख-रखाव नहीं किये जाने के कारण यह सामुदायिक भवन परेशानी का सबब बनता जा रहा है। पुना के सूरत नगर निगम के वराछा इलाके का सामुदायिक भवन किरायेदारों के लिए आफत बनता जा रहा है। इस सामुदायिक भवन की हालत पिछले कुछ समय से खराब है, उचित रख-रखाव के अभाव में मॉल में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। ऐसे में लोगों के लिए सामुदायिक भवन के साझा बाथरूम का उपयोग करना

किराया कम होने के कारण लोग कम्युनिटी हॉल आसानी से बुक कर लेते हैं, लेकिन कई असुविधाओं के कारण किराएदार को काफी परेशानी होती है।

मुश्किल हो रहा है। हाल ही में पुना कोम्युनिटी हॉल के एक आगंतुक ने शिकायत की है कि नगर पालिका लोगों के टैक्स की कमाई से हॉल का निर्माण कर रही है। लेकिन इनका रखरखाव ठीक से नहीं होने के कारण ऐसे सामुदायिक भवन लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। नगर निगम का सामुदायिक भवन बुक कराने वालों का कहना है कि जब यह हॉल

किराये पर लिया गया था तो लाइटें बंद थीं और पंखे भी काम नहीं कर रहे थे। इतना ही नहीं पानी की सुविधा के लिए लगी बिजली की मोटर भी जली हुई हालत में है, जिसके कारण हॉल को पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यहां जो शौचालयों है उससे तो सार्वजनिक शौचालय भी अच्छी स्थिति में हैं। यहां हॉल बुक करने वालों को पहले उसे साफ करना पड़ता है और फिर वे इसका इस्तेमाल करने को मजबूर होते हैं। नगर पालिका के सामुदायिक भवन की खस्ता हालत की शिकायत करने वाला कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं है। ऐसे में हॉल किराएदारों को ही हॉल की मरम्मत के साथ साफ-सफाई भी करानी होगी। इसकी मरम्मत के लिए बाहर से वायरमेन मंगाया गया है, लेकिन सीढ़ी नहीं होने के कारण मरम्मत नहीं हो पा रही है। इस स्थिति के कारण नगर पालिका के सामुदायिक भवन को किराये पर लेने वाले लोगों को हॉल किराये पर लेने से पहले हॉल की स्थिति की जांच अवश्य कर लेनी चाहिए। लोगों की मांग है कि अगर नगर पालिका किरायेदारों को सफाई या सुविधाएं मुहैया कराने में सक्षम नहीं है तो उनसे किराया न वसूला जाए।